संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 266
पृष्ठ 8
शनिवार
15 जून 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जीभी हिल स्टेशन की हसीन...

विचार- नागरिक उठायें विश्व शांति के पक्ष में आवाज

खेल- अफगानिस्तान ने पीएनजी को सात...

लोक रंजन प्रकाशन की प्रस्तुति

कोटा फीवर(उपन्यास)

कहां से शुरू करूं लिखना थोड़ा मुश्किल लग रहा है । एक बेहतरीन साहित्य पाठकों के लिए उपस्थित है कोटा फीवर...

पुस्तक की भूमिका ही बहुत दिलचस्प है जिसे सुरेंद्र शर्मा जी ने लिखा है। लेखक के परिचय से शुरू होकर....कोटा (राजस्थान) .... (जो अपने कोचिंग संस्थान के लिए देशभर में प्रसिद्ध है)... आईआईटी प्रदेश परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की ऊहा पोह और संघर्ष की कहानी बयां करती है ।

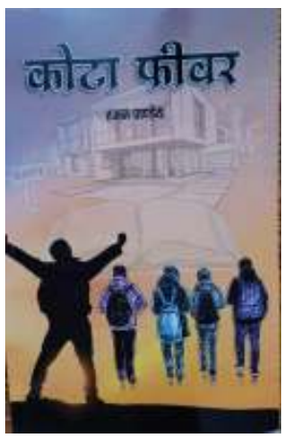

ष्अपनी बात षें लेखक रंजन पांडे ने अपने जीवन के निजी अनुभव को साझा करते हुए ष्कोटा फीवर ष्की नींव रखने का प्रयास किया है । जो अत्यंत ही प्रासंगिक लगा । सच कहूं तो मेरा विद्यार्थी जीवन जीवंत हो गया। पिछले 25 से 30 वर्षों में कोटा में जाकर तैयारी करने का चलन या यूं कहें की वायरस तेजी से फैला है । जिसे लेखक ने बड़ी खूबसूरती के साथ दर्शाया है । मुझे अपने स्कूल के दिन याद आए । कक्षा 10 पास करने के बाद मेरे पिताजी चाहते थे कि मैं पॉलिटेक्निक की प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त करूं। परंतु प्रवेश परीक्षा के पहले स्वास्थ्य ठीक ना होने के कारण मैं परीक्षा में शामिल न हो सकी । उपन्यास के साथ साथ मैंने अपने विद्यार्थी जीवन का भी सफर तय किया । मैं समझती हूं कि एक लेखक के लिए इससे बड़ी कोई सफलता नहीं हो सकती की पाठक कहानी से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करें ।

उपन्यास की बात करूं .. सच कहूं तो मेरे पास शब्द नहीं है ।

उपन्यास की पहली ही. लाइन... उत्तर प्रदेश का कस्बा राघेपुर... ऐसा लगता है कि हमारे अपने शहर की बात होने जा रही है । उपन्यास को पढ़ने पर विवश करता है । हर एक पन्ना अगले पन्ने को पढ़ने के लिए प्रेरित करता है ।वैसे भी उत्तर प्रदेश वाले भावकु होते हैं । उपन्यास में मैंने कहीं भी यह महसूस नहीं किया की कहानी छूट रही है । सभी घटना चक्र एक दूसरे से जुड़े हुए लगते हैं । शुरू के कुछ पन्नों को पढ़ते हुए जिस तरह से आसपास के वातावरण का वर्णन किया है लेखक ने मुझे मिट्टी की खुशबू महसूस हुई । मुझे ऐसा लगा जैसे मैं प्रेमचंद जी का साहित्य पढ़ रही हूं । शब्दों का चयन लेखक ने बहुत ही कुशलता से किया है ।

मुख्य कथा लाला रामस्वरूप के परिवार के आसपास की है । यह उपन्यास दर्शाता है कि किस तरह से मां–बाप अपने सपने पूरे न होने पर अपने बच्चों के द्वारा उन्हें पूरा करना चाहते हैं । लाला रामस्वरूप इंजीनियर बनना चाहते थे परिस्थितियों ने उनका साथ नहीं दिया। अपना सपना वह अपने बेटे किशन के जरिए पूरा करना चाहते हैं । कहानी बस उसी के इर्द–गिर्द बड़ी सुंदरता के साथ बुनी गई है ।

कुछ शब्दों ने हृदय को स्पर्श कर लिया । अपनेपन से भरे हुए लगे यह शब्द. ... चंदर मास्साब (चंद्र प्रकाश का अपभ्रंश)....

एक बूढ़ी अधेड़ मालगाड़ी, ठग्गू के लड्डू.... और भी बहुत से शब्दकोश 1980 ऋ90 के दशक की याद दिलाते हैं ।

किशन के इंजीनियर बनने की पृष्ठभूमि तैयार करने के लिए उसका कोटा जाकर कोचिंग संस्थान में एडमिशन लेने से कथा प्रारंभ होकर जैसे–जैसे आगे बढ़ती है नए किरदारों का उसमें जुड़ते जाना इतना सहज और स्वाभाविक है कि कहीं पर भी तारतम्य टूटता हुआ नजर नहीं आया । कस्बे का फिर वह मोहनलाल सौष्ठव शरीर वाला लड़का हो या ट्रेन में मिला हुआ मोंटू सब एक दूसरे से गुथे हुए से लगे ।

किशन की मां का अपने बेटे का बक्सा रखने में लेखक ने इतनी बारीकी से वर्णन किया है.. खुशबूदार साबुन की टिक्की तेल की शीशी हवाई चप्पल बड़े दांत वाला कंघा ,दर्पण पुदीन हरा बेसन के लड्डू ,लाल दंत मंजन, और सबसे सुंदर नीली हवाई चप्पल जिसे हम बचपन में पहना करते थे अब बहुधा ही दिखती है । अत्यंत सुंदर वर्णन । ऐसा लगता है कि कहानी घटित हो रही है पात्रों के साथ।

कहानी चार दोस्तों के कोटा में अलग–अलग संघर्ष को दर्शाती है । चंदर मास्साब के मित्र अनुज की भी इसमें अहम भूमिका है।

किशन और उसके तीन अन्य दोस्त मोंटू , देवाशीष , मायाराम की कोचिंग संस्थान से लेकर इंजीनियर बनने तक के संघर्ष का सफर बयां करती है । बीच–बीच में सहायक किरदारों का आना और उनका कहानी में ऐसे घुल मिल जाना कहानी के सफर को खूबसूरती प्रदान करती है ।

कुछ एक पंक्तियां वेद प्रकाश शर्मा के उपन्यासों की तरह रहस्यमई माहौल दिखाती हैं जो मुझे बहुत ही पसंदआया ।

जैसे... ष्रात गहराती जा रही थी ।

सामने की तरफ काले रंग का विशालकाय पुराना फाटक लगा था । फाटक के बाएं किनारे पर लकड़ी के भूरे रंग की नेम प्लेट लगी थी जिस पर सफेद रंग से अंग्रेजी में सनम लाल माहेश्वरी लिखा था । नाम पढ़ कर किशन को थोड़ा विस्मय हुआ परंतु ध्यान से पढ़ने पर समझ में आया कि वह संगम लाल लिखा है । फाटक के दाहिने खंभे पर धूल –धूसरित संगमरमर की पट्टीका .....

गेट खोलने पर.. चूं चूंकी आवाज ...

प्लास्टिक के बिना हत्थे वाली कुर्सियां..

नथुनो की दुनाली से हाथों का जोर लगाकर फायर किया तो जमीन पर सफेद लिसलिसा पदार्थ पिच्च से गिरा....

अपनी चौड़ी भौडी नाक को पूछता हुआ...

यह सब शब्द ऐसे हैं जो पाठक को साधारण जनजीवन से जोड़ते हुए से जान पड़ते हैं । कहानी में और भी बहुत से पात्र..फुग्गी, रस्तोगी जुड़ते जाते है।

पेज नंबर 46 पर... टेंट में पैसा नहीं रखते और ख्वाब देखते हुए इंजीनियर बनने का.... शुद्ध रूप से ग्रामीण भाषा का यह शब्द... टेट.. मेरे मन को भीतर तक छू गया ।ष् मेरे बाबा हमेशा कहते थे और कुछ होके चाहे ना होके। ..टेट मैं पैसा जरूर रख के चाहि ।

बीच–बीच में लेखक रंजन जी ने काव्यात्मक अभिव्यक्ति का भी सहारा लिया है जो कहानी को प्रभावशाली और सशक्त बनाती है । हरिवंश राय बच्चन की कविता का भी जिक्र है ।

बहुत से उतार–चढ़ाव के साथ कहानी अपने गंतव्य तक पहुंचती है और तीसरे अटेम्प्ट में किशन सफल इंजीनियर बनता है ।

देवाशीष उर्फ देबू का आत्महत्या करना दुखद प्रकरण रहा ।

कहने को तो बहुत कुछ है..

थोड़े में समेट पाना मेरे लिए अत्यंत कठिन कार्य है । क्योंकि मैं समझती हूं की कहानी की आत्मा का जीवित रहना आवश्यक है। फिर चाहे आप समीक्षा ही क्यों नहीं लिख रहे हो । लाला कचोरी वाले की कहानी भी बहुत भावुक करती है.

कोचिंग संस्थान में पढ़ने वाले अध्यापकों का नामकरण करना यह सब कुछ मिलकर उपन्यास को अत्यंत रोचक और दिलचस्प बनाते हैं । मुझे पढ़ते समय ऐसा महसूस हो रहा था जैसे मैं उस उपन्यास का एक पात्र हूं और सब कुछ अपने आंखों के सामने घटित होता हुआ देख रही हूं ।

अत्यंत ही उम्दा और बेहतरीन उपन्यास है मैं समझती हूं कि सभी को एक बार अवश्य ही पढ़ना चाहिए

https://www-amazon-in/dp/B0D66DHQMS\ref¾myi_title_dp

डॉ सुनीता त्रिपाठी

सीएम ने दिए निर्देशः आम आदमी का फोन रिसीव करें अधिकारी

- विवादित स्थलों पर न हो बकरीद पर कुर्बानी
- सरकारी, निजी वाहनों में प्रेशर हार्न और हूटर स्वीकार्य नहीं
- किसी नई परंपरा की अनुमति नहीं

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनता दर्शन दोबारा शुरू हो गया है। जिलों से आ रहीं शिकायतों एवं आवेदनों की समीक्षा हो रही है। जहां से अधिक शिकायतें मिलेंगी, वहां के अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। जनता दर्शन कार्यक्रम जिला, रेंज, जोन स्तर भी शुरू हो। अधिकारी जहां जनसुनवाई करेगा, इसकी सूचना जनता को पहले से दे। लोगों की समस्याएं सुनें और तत्काल निस्तारण करें। कॉमन मैन की संतुष्टि ही आपके काम का मानक है। उसका विश्वास जीतें। फील्ड में तैनात अधिकारियों को सीयूजी फोन जनता के लिए मिले हैं, इसे चालू रखें। अधिकारी फोन स्वयं रिसीव करें, अथवा कॉल बैक करे। अपने सरकारी आवास पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मुख्यमंत्री ने मंडल, रेंज और जिलों में तैनात विभिन्न विभागों के अधिकारियों से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के बाबत कहा कि ब्लॉक, जिला मुख्यालय, सचिवालय, यदि कहीं भी अनैतिक लेन–देन की शिकायत मिली तो इसमें संलिप्त लोगों पर कार्रवाई होनी तय है। वहीं आगामी त्योहारों के संबंध में उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पुलिस कमिश्नरों, मंडलायुक्तों, डीएम व पुलिस कप्तानों को निर्देश दिया कि जून और जुलाई में तमाम पर्व, मोहर्रम और कांवड़ यात्रा आदि हैं। यह समय अत्यंत संवेदनशील है, लिहाजा लगातार एक्टिव मोड में रहना होगा। पूर्व के अनुभव बताते हैं कि जहां स्थानीय प्रशासन ने संवादहीनता रखी, वहां अप्रिय घटना की स्थिति बनी। इससे सीख लेते हुए सतर्क रहना होगा। वरिष्ठ अधिकारी धर्मगुरुओं, संभ्रांत नागरिकों से संवाद बनाएं। सकारात्मक संदेश जारी कराएं। पीस कमेटी की बैठक करें। मीडिया का सहयोग लें। दूसरे धर्म के लोगों की भावनाएं आहत करने वाली घटना न हो। शरारती तत्व दूसरे संप्रदाय को उत्तेजित करने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे मामलों पर नजर रखें। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती करें। रोज पुलिस बल फुट पेट्रोलिंग करे। पीआरवी 112 एक्टिव रहे। अराजक तत्वों के साथ पूरी कठोरता से निपटा जाए।

योगी ने वीआईपी कल्चर को पूरी तरह समाप्त करने के लिए सरकारी और निजी वाहनों में प्रेशर हार्न, हूटर पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने का निर्देश देते हुए कहा कि यह जहां लगा हो, तत्काल उतरवाएं। वीआईपी फ्लीट में सबसे आगे की गाड़ी में एक तय ध्वनि सीमा के साथ ही हूटर बजे। अन्य किसी वाहन में नहीं। यदि कहीं से भी प्रेशर हॉर्न अथवा हूटर बजने की सूचना मिली तो संबंधित थाना पर कार्रवाई होनी तय है। वीआईपी कल्चर को किसी भी दशा में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सीएम ने कहा कि बकरीद पर कुर्बानी के लिए स्थान का चिन्हांकन पहले से होना चाहिए। विवादित एवं संवेदनशील स्थलों पर कुर्बानी नहीं होनी चाहिए। कहीं भी प्रतिबंधित पशु की कुर्बानी न हो। कुर्बानी के बाद अपशिष्ट के निस्तारण की कार्ययोजना हो। नमाज परंपरानुसार एक निर्धारित स्थल पर हो, सड़क अवरुद्ध कर नहीं। किसी नई परंपरा को प्रोत्साहन न दें। वीडियोग्राफी कराएं, ड्रोन का इस्तेमाल करें।

मोदी जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली पहुंचे

रोम/नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए शुक्रवार सुबह इटली के अपुलिया पहुंचे, जहां उनके चर्चा में भाग लेने और उपस्थित विश्व नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने की संभावना है। श्री मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद यह पहली विदेश यात्रा है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली पहुंचा हूं। विश्व नेताओं के साथ सार्थक बातचीत में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं। हम साथ मिलकर वैश्विक मुद्दों को संबोधित करना चाहते हैं और बेहतर भविष्य के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना चाहते हैं।" विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर कहा कि जी7 में प्रधानमंत्री के एजेंडे में आउटरीच सत्र में भाग लेना और अलग से वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करना शामिल है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इटली के अपुलिया में ब्रिंडिसि हवाई अड्डे पर उतरे।

मोदी 3.0 को लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे का बड़ा दावा

यह अल्पमत की सरकार, कभी भी गिर सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार को लेकर बड़ा दावा किया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने डवकप 3.0 को अल्पमत की सरकार बताया है। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए गलती से एनडीए की सरकार बन गयी है। मोदी जी के पास जनादेश नहीं है। उन्होंने कहा कि यह अल्पमत सरकार है। यह सरकार कभी भी गिर सकती है। हम चाहेंगे कि ये चलता रहे, ये देश के लिए अच्छा हो, हम मिल कर देश को मजबूत करने के लिए काम करें। खड़गे ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री को जो कुछ अच्छा चल रहा है उसे चलने नहीं देने की आदत है। लेकिन हम देश को मजबूत करने की दिशा में सहयोग करेंगे। इससे पहले उन्होंने कहा था कि लोकसभा चुनाव में देश ने ऐसा जवाब दिया कि मोदी सरकार को दूसरों के घरों से कुर्सियां उधार लेकर अपना सत्ता का ष्धरष् संभालना पड़ रहा है। 17 जुलाई 2020 को प्रधानमंत्री जी ने देश को ष्मोदी की गारंटीष् दी थी कि 2022 तक हर भारतीय के सिर पर छत होगी। ये ष्गारंटीष् तो खोखली निकली ! कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अब 3 करोड़ च्ड आवास देने का ढिंढोरा ऐसे पीट रहे हैं, जैसे पिछली गारंटी पूरी कर ली हो! उन्होंने आरोप लगाया, ''मोदी जी की आवास योजना में 49 लाख शहरी आवास यानी 60 प्रतिशत घरों का अधिकतर पैसा जनता ने अपनी जेब से भरा।'' उनके मुताबिक, ''एक सरकारी सामान्य शहरी घर औसतन 6.5 लाख रुपये का बनता है, उसमें केंद्र सरकार केवल 1.5 लाख रू देती है। इसमें 40 प्रतिशत योगदान राज्यों और नगरपालिका का भी होता है। बाकी के बोझ का ठीकरा जनता के सिर पर फूटता है। वो भी क़रीब 60 प्रतिशत का बोझ। ऐसा संसदीय समिति ने कहा है।'' खरगे का कहना था, ''समाचार पत्रों से पता चला है कि मोदी जी ने वाराणसी में जो ''सांसद आदर्श ग्राम योजना'' के तहत आठ गांवों को विकसित करने के लिए गोद लिया था वहां ग़रीबों के पास, ख़ासकर दलित व पिछड़े समाज को अब तक पक्के घर नहीं मिले। अगर कुछ घर हैं तो भी उनमें पानी नहीं पहुंचा, नल तक नहीं है।'' उन्होंने दावा किया, ''मोदी जी द्वारा गोद लिया गया पहला गांव जयापुर है। वहां कई दलितों के पास घर और चालू शौचालय नहीं हैं। नागेपुर गांव में भी स्थिति ऐसी ही है और इसके अलावा, सड़कें भी खराब स्थिति में हैं। परमपुर में पूरे गांव में नल लगे हैं लेकिन उन नलों में पानी नहीं है। पूरे गांव में पिछले दो महीनों से पानी की आपूर्ति नहीं थी। वहां कई दलित और यादव समाज के लोग कच्चे घरों में रहते हैं।''

'पेपर लीक' की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर केंद्र, एनटीए को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को छम्ज–न्ळ 2024 परीक्षा के आयोजन को चुनौती देने वाली सात याचिकाओं पर नोटिस जारी किया और इसे 8 जुलाई को छात्रों के लिए भर्ती के साथ पोस्ट किया। एक रिपोर्ट में कथित पेपर लीक की केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच की मांग की गई। कोर्ट ने छम्ज–न्ळ 2024 में छात्रों की डॉक्यूमेंट्री जांच की मांग वाली याचिका केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी या एनटीए को जारी की है। सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमेबाजी की बहुलता से बचने के लिए एनईईटी–यूजी विवाद पर विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने की मांग करने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की याचिका पर निजी पक्षों को भी नोटिस जारी किया। अदालत ने इसे भी 8 जुलाई को पेश करने का निर्देश दिया।

नीट में धांधली को लेकर लीपापोती कर बच नहीं सकती सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट को लेकर सरकार को घेरते हुए आज कहा कि सच पर पर्दा डालने के लिए पूरे प्रकरण में लीपापोती की जा रही है लेकिन सवाल 24 लाख बच्चों के भविष्य का है इसलिए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की देखरेख में मामले की जांच होनी चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जो नियम मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के लिए वर्जित किये गए हैं सरकार उन्हीं नियमों का सहारा लेकर ग्रेस मार्क्स देने की बात कर पूरे मामले में लीपापोती करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने तंज करते हुए कहा "नाम है नीट लेकिन रिजल्ट देख कर ये प्रक्रिया कहीं से भी श्साफ, स्वच्छ या स्वस्थश नहीं लगती। इस परीक्षा के माध्यम से देश के 24 लाख बच्चों के भविष्य पर पानी फेर दिया गया है। पिछले 8 साल में 7 ऐसे छात्र थे जो पूरे अंक लाए लेकिन इस साल 67 छात्र पूरे अंक लेकर आए। इस पर शिक्षा मंत्री का कोई जवाब नहीं है। जब बिहार में पुलिस ने पेपर लीक के मामले में कुछ लोगों को पकड़ा और गुजरात के गोधरा में भी ऐसा मामला निकला, तब ये घोटाला सामने आया।" प्रवक्ता ने कहा "नेशनल टेस्टिंग एजेंसी–एनटीए ने कोर्ट में लीपापोती की पूरी कोशिश करते कहा कि हमने टाइम लॉस की वजह से 1563 बच्चों को ग्रेस मार्क्स दिये और उच्चतम न्यायालय के एक फैसले को कोट किया। शीर्ष न्यायालय के फैसले को कोट करते हुए एनटीए ने कहा कि अगर बच्चों को टाइम लॉस होता है तो कैलकुलेट करके उन्हें ग्रेस मार्क दिया जाता है जबकि उसी फैसले में स्पष्ट लिखा है कि इंजीनियरिंग और मेडिकल इस कैटेगरी में नहीं आते। उन्हें टाइम लॉस पर ग्रेस मार्क नहीं दे सकते। अब सोचिए कि यह सरकार किस स्तर पर गिरकर लीपापोती कर सकती है।" उन्होंने कहा "580 से ज्यादा अंक पाने वाले छात्रों के परीक्षा केंद्रों के नाम जारी किए जाएं और 12वीं के बोर्ड के मार्क्स का मिलान नीट के टॉपर्स के साथ किया जाए।

निराला जी की प्रतिष्ठा बनाए रखना प्रयागराज के कवियों व साहित्यकारों का दायित्व

प्रयागराज । देश अथवा विदेश में जब कभी प्रयागराज की चर्चा होती है

दो त्रिवेणी संगम और निराला जी का नाम स्वतः सबके होठों पर आ जाता है, निराला जी के दारागंज में रहने के कारण

लोग इसे निराला नगर भी कहते हैं, किंतु निराला जी की प्रतिमा को चौराहे से हटा कर गंगा भवन के पास स्थापित कर दिया गया है परिणामतः बाहर से आने वाले लोगों का ध्यान निराला जी की ओर नहीं जाता है, और वह धूल धूसरित उपेक्षित सा विराजित हैं स प्रयागराज के साहित्यकारों को चाहिए कि वह ऐसी पहल करें जिससे निराला जी की प्रतिमा दारागंज के प्रवेश द्वार प्रयाग घाट रेलवे स्टेशन के पास स्थापित हो सके स इसमें ही प्रयागराज के कवियों और साहित्यकारों का सम्मान हैस निराला जी हमारे कवि कुल गौरव हैं इसके लिए हम सबको तन मन धन से सहयोग करते हुए शासन द्वारा उचित स्थान पर स्थापित करने की मांग करनी चाहिएस स इस प्रकरण को लेकर राजेंद्र कुमार तिवारी दुकान की अत्यंत चिंतित हैं ।

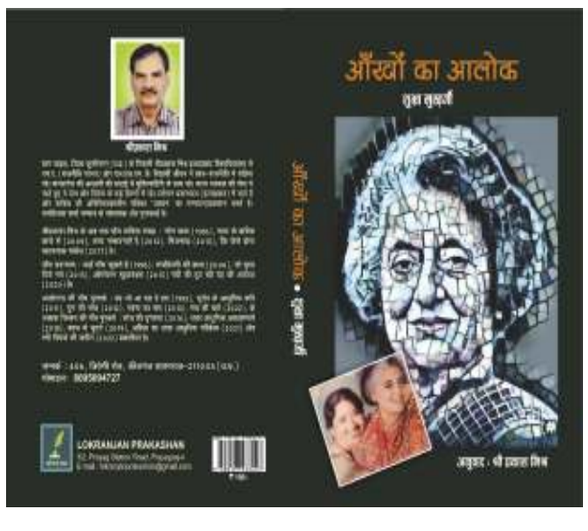

विश्व रक्तदाता दिवस

रक्तदानियों ने किया रक्तदान

प्रयागराज में भीषण गर्मी के बीच सभी ब्लड बैंकों में सुबह से रक्तदान के लिए पहुंचे लोग

प्रयागराज। (14 जून) विश्व रक्तदाता दिवस । भीषण गर्मी और तेज धूप के बावजूद बड़ी संख्या में रक्तदानियों ने रक्तदान किया। प्रयागराज के स्वरूपरानी नेहरू ब्लड बैंक, तेज बहादुर

सप्रू (बेली) ब्लड बैंक, काल्विन ब्लड बैंक, AMA ब्लड बैंक, ANHA समेत सभी ब्लड बैंकों में लोग रक्तदान के लिए यहां पहुंचे थे। रक्तदान करने वालों को स्वैच्छिक रक्तदान का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। बेली ब्लड बैंक में ब्लू क्रॉस ऑर्गनाइजेशन की ओर से युवाओं ने रक्तदान किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव मिश्र ने सभी को अपने एसोसिएशन की ओर से टीशर्ट और प्रमाण पत्र प्रदान किया। इसके पहले फूलपुर के नवनिर्वाचित सांसद प्रवीण पटेल व सीएमओ डॉ. आशु पांडेय ने इसका शुभारंभ किया।

अपने ब्लड से बचा सकते हैं चार लोगों की जान : राजीव मिश्रा अब तक 22 राज्यों में जाकर 102 बार रक्तदान कर चुके हैं। आज भी उन्होंने बेली ब्लड बैंक में जाकर रक्तदान किया। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि रक्तदान करने से हम चार लोगों की जान बचा सकते हैं। प्रत्येक व्यक्ति खासकर युवाओं को वर्ष में एक बार तो रक्तदान जरूर ही करना चाहिए। रक्तदान करके हम जहां एक तरफ जरूरतमंद की जान बचाते हैं वहीं खुद को स्वस्थ रखते हैं। रक्तदान करने से ब्रेन हेमरेज जैसी बीमारियों का खतरा बिल्कुल कम हो जाता है। बेली के सीएमएस डॉ. रूद्र प्रताप मिश्रा, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. उत्तम, हेमंत शुक्ला, सुशील चतुर्वेदी, अजय मिश्रा, लवलेश शुक्ला, भूपेंद्र पांडेय, पंकज यादव, संदीप मिश्र, अभिनव यादव, सुभाष यादव, अनुराग जायसवाल, धीरज दुबे,सीता देवी, रजत समेत अन्य मौजूद रहे।

प्रयागराज में धार्मिक टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज में धर्म विशेष के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कीडगंज थाने की पुलिस ने गुरुवार रात परेड ग्राउंड में पीपा पुल के कारखाने के पास से आरोपी हबीब अहमद को अरेस्ट किया। उसके पास से एक तमंचा और कारतूस बरामद हुआ है। हबीब कीडगंज के रहने वाले मुन्नू अहमद का बेटा है। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट कर माहौल बिगाड़ने की साजिश करने वाले हबीब पर कई धाराओं में केस दर्ज है।

आइए बताते हैं क्या है पूरा मामलाः हबीब ने धर्म विशेष के खिलाफ अभद्र टिप्पणी कर सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड कर दिया था। मामले को लेकर हंगामा हो गया। इसे लेकर हिंदूवादी संगठनों ने हंगामा किया और कार्रवाई की मांग की। वीडियो देखने के बाद नाराज बजरंग दल के कार्यकर्ता कीडगंज थाने पहुंच गए थे। चौकी प्रभारी नई बस्ती उमाशंकर सिंह की तहरीर पर केस दर्ज हुआ था। दरोगा ने तहरीर में लिखा था कि बुधवार को सोशल मीडिया के माध्यम से हबीब खान नाम व्यक्ति धर्म विशेष के खिलाफ आहत करने वाली बातों का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहा है। इससे लोगों में जन आक्रोश की स्थिति पैदा हो सकती है। इस वीडियो से समाज में वैमनस्यता फैल सकती है। तहरीर पर कीडगंज थाने में आरोपी हबीब खान के खिलाफ धार्मिक टिप्पणी, आईटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया था।

निहारिका वेंचर्स के 52 बैंक खातों को खंगालेगी आयकर की क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन टीम

प्रयागराज। निवेशकों के चार सौ करोड़ रुपये लेकर फरार निहारिका वेंचर्स के बैंक खातों में हुए निवेश और लेनदेन की जांच आयकर विभाग की इंटेलिजेंस एंड क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन टीम करेगी। इस कंपनी के खातों से कब–कब और कितने रुपयों का लेनदेन हुआ, बैंकों के जरिए इसका विवरण जुटाया जा रहा है। इस मामले में कई बड़े निवेशकों का नाम सामने आने की उम्मीद है। निहारिका वेंचर्स के अब तक 52 बैंक खातों का पता चल चुका है। इस कंपनी ने पूर्वांचल से लेकर नोएडा और लखनऊ तक के कारोबारियों के अलावा बिल्डर्स और नेताओं की मोटी रकम डूबने की बात कही जा रही है। प्रापर्टी और शेयर में जोखिम के बिना निवेश और रकम बढ़ाने का लालच देकर इस कंपनी ने लोगों को आकर्षित किया था। इस कंपनी ने प्लॉट आवंटन के नाम पर भी करोड़ों रुपये अपने खातों में जमा कराए थे। इसमें नौ बैंकों में 52 खातों के जरिए रकम जमा कराई जाती रही है। आयकर विभाग के सूत्रों से पता चला है कि अब इस कंपनी के बैंक खातों से हुए करोड़ों के लेनदेन की जानकारी इंटेलिजेंस एंड क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन टीम जुटा रही है। आयकर की विशेष विंग आईएंडसीआई इस कंपनी के उन बैंक खातों की जांच करने जा रही है, जिनके जरिए बड़ी रकम का लेनदेन हुआ है। कहा जा रहा है कि इस आधार पर इस कंपनी में काली कमाई खपाने वाले कई बड़े कारोबारियों, नेताओं और अफसरों के नामों का खुलासा हो सकता है। आयकर विभाग के एक बड़े अधिकारी ने नाम न छापने के आग्रह पर बताया कि विवरण आने के बाद इस प्रकरण में नोटिस भेजा जाएगा।

प्रयागराज के अलावा कई अन्य शहरों में हैं खाते

प्रॉपर्टी–शेयर में निवेश के नाम 400 करोड़ रुपये की ठगी के मामले एक नया खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने अलग–अलग कई शहरों में कुल 52 खाते खुलवाए हैं।

प्रयागराज में युवक के सिर में गोली मारकर हत्या

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट के बाद फायरिंग

प्रयागराज। प्रयागराज में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे युवक के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि पुरानी जमीन की रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ा कि एक पक्ष के युवक ने लाइसेंसी बंदूक से दूसरे युवक के सिर में गोली मार दी। मामला यमुनापार के बारा इलाके के भेलाव गांव की है। फायरिंग और हत्या हत्या की सूचना डीसीपी यमुनानगर श्रद्धा नरेंद्र पांडेय समेत अन्य अधिकारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। डीसीपी ने कहा–आरोपियों की तलाश में छापेमारी हो रही है। मामले में 4 के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

मारपीट और हत्या का क्या है पूरा मामला.....

मनीष मिश्रा, मृतक

भेलांव के रहने वाले मनीष मिश्रा का गांव के ही राजेश पांडे से पुरानी रंजिश थी। अक्सर दोनों परिवारों के बीच कहासुनी होती रहती थी। शुक्रवार सुबह 30 वर्षीय मनीष अपने पिता संतोष के साथ कहीं गए थे। घर वापस लौटते समय गांव में ही राजेश पांडे समेत कई लोगों ने पिता व पुत्र का रास्ता रोक लिया। इस पर राजेश पांडे ने अपशब्द बोला तो मनीष ने विरोध किया, जिस पर उसके सिर में गोली मार दी गई। आनन–फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस अधिकारियों के साथ ही बारा, घूरपुर समेत आसपास के थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। आरोपियों के यहां छापेमारी की जा रही है। डीसीपी यमुना नगर श्रद्धा पांडेय ने बताया कि दो परिवारों के बीच विवाद है। दोनों की रिश्तेदारी भी लगती है। जमीन समेत अन्य मामलों में पहले से तनातनी चल रही थी। सुबह किसी बात को लेकर झगड़ा बढ़ा और मारपीट के बाद फायरिंग की गई। मनीष मिश्र के परिवार वालों की तहरीर पर केस दर्ज किया जा रहा है।

महाकुंभ के पहले मिंटो पार्क में बनेगा द्वादश ज्योतिर्लिंग

प्रयागराज में चल रही महाकुंभ की तैयारी, जनवरी में संगम तीरे विश्व का सबसे बड़ा मेला

प्रयागराज। संगमनगरी प्रयागराज में 2025 में आयोजित होने वाले महाकुंभ की तैयारियों

इन दिनों जोरों से चल रही है। इसी लिए शहर को चमकाया जा रहा है। शहर में स्थित मिंटो पार्क में श्रद्धालुओं को द्वादश ज्योतिर्लिंगों का दर्शन कराने का भी प्रबंध किया जा रहा है। पार्क के एक चिह्नित स्थल पर 12 दीवारों पर द्वादश ज्योतिर्लिंग चित्रित किए जाएंगे जिससे कि आने वाले श्रद्धालुओं को उन सभी ज्योतिर्लिंगों का दर्शन उन दीवारों के माध्यम से कराया जा सके। इसके अलावा आस–पास की जगह पर लैंड स्केपिंग एवं ग्रीनरी विकसित करने का कार्य भी कराया जाएगा तथा श्रद्धालुओं की जानकारी बढ़ाने के दृष्टिगत वहां पर उन सभी ज्योतिर्लिंगों से संबंधित आवश्यक जानकारी भी इंगित की जाएगी।

भारद्वाज पार्क में बनाई जाएगी नक्षत्र वाटिका : इसी क्रम में मनुष्य जीवन में नक्षत्रों के हिसाब से प्रभाव डालने वाले वृक्षों की जानकारी के लिए भरद्वाज पार्क में नक्षत्र वाटिका की स्थापना भी की जाएगी। जहां 27 नक्षत्रों के हिसाब से 27 प्रकार के महत्वपूर्ण पौधे लगाए जाएंगे। लोग यहां आकर अपना नक्षत्रों के अनुसार पौधे की जानकारी हासिल कर सकेंगे।

श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए बनेंगे चार स्पेशल द्वार : इसके अतिरिक्त अयोध्या में राममंदिर तक जाने वाले पहुंच मार्ग पर लगाए गए विभिन्न स्तंभों से प्रेरणा लेते हुए शहर के विभिन्न स्थानों पर फसाड लाइटिंग से सुसज्जित लगभग 108 स्तंभ भी लगाये जाएंगे। इन्हें जीटी जवाहर से फोर्ट द्वार तक, सभी रीवर फ्रंट रोड्स तथा अन्य प्रमुख मार्गों पर लगाया जाएगा। साथ ही विभिन्न मार्गों से शहर में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए चार बड़े द्वार भी लगाये जाएंगे। जिसमें गंगा द्वार को फाफामऊ साइड पर, यमुना द्वार को रीवा साइड पर, सरस्वती द्वार वाराणसी साइड पर एवं शिव द्वार सहसों साइड पर स्थापित किया जाएगा।

खून और कटे जानवरों का वीडियो न डालें

पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा बोले- भाईचारे से मनाएं त्योहार, मस्जिदों में पढ़ें नमाज

प्रयागराज। कुर्बानी का त्योहार बकरीद 17 जून को है। ऐसे में प्रयागराज पुलिस–प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। बकरीद पर बड़े पैमाने पर बकरों की कुर्बानी होगी। ऐसे में भाईचारा बना रहे। कहीं भी सांप्रदायिक माहौल न बिगड़े। त्योहार ठीक से हो साथ ही दूसरों को परेशानी न हो। पुराने शहर की मिलीजुली आबादी में हिंदू मुस्लिम एकता नजर आए। इसके मद्देनजर पुलिस ने पीसी कमेटी, व्यापारी संगठन, सामाजिक संगठन, पार्षद, धर्मगुरु, राजनीतिक दलों के नेताओं संग बैठकें शुरू कर दी हैं। पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा की अध्यक्षता में प्रयागराज जिला पंचायत सभागार में बकरीद को लेकर अहम बैठक हुई।

ऐसे त्योहार मनाएं की दूसरों को परेशानी न हो

इसमें पुलिस कमिश्नर ने कई बातों को समझाया। खासकर सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने, झूठी बातें प्रसारित करने, गंदे वीडियो, फोटो डालने वालों से आगाह रहने की सलाह दी। कहा कि त्योहार अच्छे से मनाएं लेकिन दूसरों की परेशानी का ख्याल रखें। उन्होंने कहा– खून, कटे जानवर आदि की फोटो, वीडियो सोशल मीडिया पर न डालें। कुर्बानी घरों में करें। सार्वजनिक स्थलों पर कुर्बानी न हो, गंदगी भी किसी और के दरवाजे और सड़क पर न फेंकी जाए। उन्होंने कहा– मुस्लिम समुदाय का ये दूसरा बड़ा पर्व है। पर्व शान्ति पूर्वक सम्पन्न हो इसके लिए प्रयागराज पुलिस ने सुरक्षा इंतजाम किए हैं। पुलिस अफसर अपने अपने जोन में लगातार लोगो के साथ बैठक भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील कर रहे हैं। बैठक में शामिल धर्मगुरुओं ने भी कहा कि नमाज मस्जिदों में अदा करें। कुर्बानी घरों में करें। पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा के साथ ही डीएम नवनीत चहल ने भी त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की बात कही। डीसीपी सिटी दीपक भूकर ने कहा–अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस की नजर है। संभ्रात नागरिक पुलिस को सूचना दे रहे हैं। डीसीपी यमुना नगर श्रद्धा पांडेय, डीसीपी गंगा नगर अभिषेक भारती ने सुरक्षा इंतजामों का ब्योरा दिया। बैठक में कई मुद्दे उठाए गए। कहा गया कि कुर्बानी के बाद जानवरों का अवशेष खुले में न फेंके। बिजली आपूर्ति और पेयजल बाधित न हो इसके लिए अधिकारियों को लगा दिया गया है।

एलएलबी की 900 सीटों पर प्रवेश के लिए 11472 दावेदार, पीजी के लिए भी करीब हजार आवेदन आए

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) एवं संघटक महाविद्यालयों में तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम की 900 सीटों पर 11472 अभ्यर्थियों ने दावेदारी की है। इविवि के प्रवेश प्रकोष्ठ ने परास्नातक प्रवेश परीक्षा (पीजीएटी) के लिए आवेदनों की अंतिम संख्या जारी कर दी है। पीजी की तकरीबन 10 हजार सीटों पर प्रवेश के लिए कुल 35673 आवेदन आए हैं, जो एक रिकॉर्ड है। एलएलबी में दाखिले के लिए 16919 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन किए थे, जिनमें से 11472 अभ्यर्थियों ने फीस जमा करते हुए आवेदन की प्रक्रिया पूरी की, जो अब प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे। इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (आईपीएस) के पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के

लिए रजिस्ट्रेशन करने वाले 2994 में से केवल 660 अभ्यर्थियों ने शुल्क जमा करते हुए आवेदन की प्रक्रिया पूरी की है, जो प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकेंगे।

प्रवेश परीक्षा के लिए जल्द जारी होगी तिथि

सबसे अधिक रजिस्ट्रेशन और आवेदन पीजीएटी–1 के तहत एमकाम, एलएलएम सहित 32 पाठ्यक्रमों और पीजीएटी–2 के तहत बीएड, एमएड, एमबीएआरडी, एमबीए सहित 24 पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए हुए हैं। इन पाठ्यक्रमों के लिए कुल 39007 रजिस्ट्रेशन हुए और इनमें से 23541 अभ्यर्थियों ने फीस जमा करते हुए आवेदन की प्रक्रिया पूरी की है। ऐसे में पीजी प्रवेश के लिए कुल 58920 रजिस्ट्रेशन और 35673 आवेदन हुए हैं। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभ्यर्थियों को 14 जून से 15 जून को शाम पांच बजे तक अपने आवेदन में संशोधन का मौका दिया गया है। अभ्यर्थी 15 श्रेणियों में संशोधन कर सकते हैं। संशोधन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आवेदन की संख्या में मामूली परिवर्तन आ सकता है। इविवि प्रशासन जल्द ही प्रवेश परीक्षा की तिथि घोषित करने जा रहा है।

इविवि में इस बार कम हुई एलएलबी की 75 सीटें

इविवि में पिछले साल तक एलएलबी की 375 सीटों पर प्रवेश लिए जा रहे थे लेकिन बार कौंसिल ऑफ इंडिया ने 300 से अधिक सीटों पर प्रवेश की अनुमति नहीं दी। ऐसे में इविवि, सीएमपी डिग्री कॉलेज और इलाहाबाद डिग्री कॉलेज में एलएलबी की तीन–तीन सौ सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे। ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू होने के बाद इविवि में एलएलबी की सीटों की संख्या बढ़ाई गई थी लेकिन बदली परिस्थितियों में इस बार 300 सीटों पर दाखिले होने जा रहे हैं। हालांकि, इसमें ईडब्ल्यूएस आरक्षण शामिल रहेगा।

18 हजार से अधिक अभ्यर्थी ऑफलाइन देंगे परीक्षा

पीजी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में परीक्षाएं होंगी। आवेदन करने वाले कुल 35673 अभ्यर्थियों में से 16712 अभ्यर्थी ऑनलाइन और 18961 अभ्यर्थी ऑफलाइन मोड में परीक्षा के लिए पंजीकृत हैं।

प्रयागराज पुलिस के एनकाउंटर में बदमाश घायल

लूट के आरोपी को सीएमओ कॉलेज के पास घेरा, पैर में मारी गोली

प्रयागराज। लूट और छिनैती करने वाले एक शातिर बदमाश की शुक्रवार तड़के प्रयागराज पुलिस से मुठभेड़ हो गई। जार्जटाउन पुलिस ने घेराबंदी करके बदमाश को दौड़ाया तो उसने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लग गई। बदमाश को अस्पताल भर्ती कराया गया। बदमाश के पास से तमंचा, कारतूस, सोने की चेन बरामद हुई है। डीसीपी सिटी दीपक भूकर ने बताया–जार्जटाउन इलाके में एक लूट के मामले में पुलिस टीम सीसीटीवी कैमरों के जरिए आरोपी की पहचान कर रही थी। इसी में अभियुक्त त्रिवेणी मंगता पुत्र प्यारेलाल मंगता निवासी मतवाली बाग बजहां थाना झूंसी का नाम सामने आया।

घेराबंदी हुई तो फायर कर भागा : पुलिस ने सर्विलांस के जरिए उसके मोबाइल नंबर को ट्रेस किया। सटीक सूचना पर पुलिस टीम ने शुक्रवार सुबह चार बजे के करीब हरीनगर रेलवे लाइन के किनारे निकट सीएमपी डिग्री कॉलेज थाना क्षेत्र जार्जटाउन में घेराबंदी की तो आरोपी पुलिस पर फायरिंग कर भागने लगा। इसी दौरान पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो उसके पैर में गोली लग गई। 26 साल के बदमाश त्रिवेणी मंगता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके पास से असलहे, लूट का माल बरामद हुआ है। आरोपी पर 15 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। झूंसी, जार्जटाउन, हंडिया थाने के अलावा एक मुकदमा वाराणसी जिले में भी दर्ज है।

प्रयागराज में 44 डिग्री पहुंच सकता है टेम्प्रेचर

प्रयागराज। संगमनगरी प्रयागराज में लगातार भीषण गर्मी और तेज धूप से आज शुक्रवार को कुछ राहत मिली है। सुबह से ही आसमान में बादलों का डेरा है जिससे सूरज का तेज पहले की अपेक्षा कुछ कम हो गया है। हवा चलने से भी सुबह उमस से निजात मिली है। लेकिन गर्मी से अभी पूरी तरह से राहत नहीं मिलने वाली है। बादलों के छाए रहने से बारिश की संभावना भी बढ़ गई है। दरअसल यहां बारिश न होने से लगातार तापमान बढ़ता भी जा रहा है। पिछले कई दिनों से यहां का टेम्प्रेचर 44 से 47 डिग्री तक पहुंच रहा है। सुबह मौसम में बदलाव होने से सुबह का तापमान 35 डिग्री रहा। लेकिन दोपहर एक बजे के बाद इसमें बढ़ोतरी होने की संभावना है, और तापमान 44c तक जा सकता है।

बारिश होने पर कम हो सकता है तापमान

मौसम विभाग का अनुमान है कि 20 से 22 जून तक मानसून आ सकता है। अगर बारिश हुई तो तापमान में गिरावट आ सकती है। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के जलवायु एवं समुद्र अध्ययन केंद्र के प्रमुख प्रोफेसर सुनीत द्विवेदी के मुताबिक "इस बार यहां पर प्री मानसून नहीं आया। यही कारण है कि सीधे मानसून दस्तक दे सकता है। पिछले कुछ सालों की बात की जाए, तो मानसून के पहले एक या दो बार बारिश हो जाती थी। जिससे गर्मी से काफी हद तक राहत मिल जाती थी, लेकिन इस बार अभी तक ऐसा नहीं हुआ। यही कारण है कि प्रयागराज समेत प्रदेश के विभिन्न शहरों में भीषण गर्मी पड़ रही है। जिन राज्यों में मानसून आने के पहले प्री मानसून बारिश हुई, वहां काफी हद तक गर्मी से राहत है। हालांकि आज सुबह से धूप न निकलने से शहरवासियों को कुछ हद तक राहत मिली है।

5 साल तक शारीरिक संबंध फिर रेप में फंसा दिया

हाईकोर्ट ने कहा– पुरुष हमेशा गलत नहीं, महिला ने यादव बता गैरमर्द से संबंध बनाए थे

प्रयागराज। यौन उत्पीड़न जैसे मामलों में कानून महिलाओं का पक्ष लेता है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि हमेशा पुरुष ही गलत हो। यह बात इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक केस की सुनवाई करते हुए कही। केस में महिला ने एक व्यक्ति पर शादी का झांसा देकर सालों तक रेप करने का आरोप लगाया था। हाईकोर्ट ने कहा कि परिस्थितियों का आंकलन करना हमेशा बेहद महत्वपूर्ण होता है। हाईकोर्ट के जस्टिस राहुल चतुर्वेदी और जस्टिस नंद प्रभा शुक्ला की बेंच ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि सबूत पेश करने की जिम्मेदारी सिर्फ आरोपित का ही नहीं है, बल्कि शिकायतकर्ता का भी है। हाईकोर्ट ने रेप के आरोपित को बरी करने के सेशन कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए ये टिप्पणी की।

यौन अपराधों पर कोर्ट ने क्या कहा.... : हाईकोर्ट ने कहा– इसमें कोई शक नहीं है कि अध्याय XVI के तहत यौन अपराधों में एक महिला/लड़की की गरिमा और सम्मान की रक्षा को प्रमुखता देते हुए कानून महिला केंद्रित हैं। ये जरूरी भी है, लेकिन परिस्थितियों का आकलन भी जरूरी है। हर बार ये जरूरी नहीं कि पुरुष ही गलत हो। इस मामले में महिला ने आरोपित के खिलाफ एससी–एसटी एक्ट में भी मामला दर्ज कराया था। महिला ने साल 2019 में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपित ने उससे शादी का वादा करके शारीरिक सम्बंध बनाए, लेकिन बाद में वो अपने वादे से मुकर गया। यही नहीं, उसने पीड़ित महिला की जाति को लेकर भी अपमानजनक बातें कही। इस मामले में आरोपित के खिलाफ 2020 में चार्जशीट दाखिल की गई थी। हालांकि ट्रायल कोर्ट ने आरोपित को रेप के आरोपों से बरी कर दिया था और सिर्फ आईपीसी की धारा 323 के तहत दोषी ठहराया था। इसके बाद महिला हाईकोर्ट पहुँची थी।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 24/40 दिनांक: 11.06.2024

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई.एस. ओ. 9001-2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	20243605	कॉन्टैक्टर फॉर कम्प्रेसर एवं एक्जॉस्ट ब्लोअर मोटर	93 नग	01.07.2024
2	64245139	टंगस्टन कार्बाइड टैम्पिंग टूल (टीसीटीटी)	08 सेट	16.07.2024
3	64245159	इक्वल ड्रायर कम्पलीट	23 नग	16.07.2024
4	64235076D	एयर सील कीट	768 नग	16.07.2024
5	30242512	कंट्रोल आर्म अपर	64 नग	02.07.2024

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1016/24 (A)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway

संक्षिप्त

रुरल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होगा अधिक खर्चा, एक्सपर्ट ने जताई संभावना

भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025 में निजी पूंजीगत व्यय में अधिक व्यापक आधार पर सुधार दर्ज करेगी। ये कहना है मॉर्गन स्टेनली की मुख्य भारत अर्थशास्त्री उपासना चाचरा का। एक मीडिया चौनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था में पूंजीगत व्यय को अब निजी पक्ष से भी अधिक समर्थन मिलने की संभावना है। सार्वजनिक पूंजीगत व्यय पर उन्होंने कहा कि वृद्धि अभी भी काफी मजबूत बनी हुई है और नाममात्र जीडीपी से ऊपर बढ़ रही है। उन्हें वित्त वर्ष 25 में इसमें कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। आर्थिक विकास के बारे में चचरा ने कहा, ष्हम भारत के परिदृश्य के बारे में काफी सकारात्मक बने हुए हैं, जैसे कि निकट भविष्य के वित्त वर्ष 25 के परिप्रेक्ष्य से या मध्यम अवधि की विकास कहानी से, जहां हमें लगता है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है।ष उन्होंने कहा कि हाल के लोकसभा चुनाव परिणाम सरकार में और प्रमुख मंत्री पदों पर निरंतरता को दर्शाते हैं और इसलिए नीतिगत निरंतरता भी दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि पर उनका पूर्वानुमान निकट अवधि और मध्यम अवधि दोनों में अपरिवर्तित बना हुआ है। मॉर्गन स्टेनली इंडिया को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.8: की दर से बढ़ेगी। मुद्रास्फीति पर टिप्पणी करते हुए अर्थशास्त्री ने कहा कि इस साल यह मोटे तौर पर 4.9 से 5.1: के बीच सीमित दायरे में रही है। उपासना ने कहा कि अगर इस साल मानसून ठीक रहा तो इससे खाद्य मुद्रास्फीति से जुड़ी चिंताओं को कम करने में मदद मिलेगी। आरबीआई एमपीसी पर एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक इस वर्ष और अगले वर्ष भी यथास्थिति बनाए रखने की संभावना है। अर्थशास्त्री का कहना है कि यदि मुद्रास्फीति में गिरावट के बारे में आश्चर्य होता है या यदि विकास के परिणाम गलत होते हैं तो नीतिगत दरों में ढील की संभावना है। जुलाई 2024 में आगामी पूर्ण केंद्रीय बजट को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें राजस्व व्यय की तुलना में पूंजीगत व्यय या ग्रामीण बुनियादी ढांचे पर खर्च में अधिक वृद्धि की उम्मीद है।

भेल को अडाणी पावर से दो बिजली संयंत्रों के लिए 7,000 करोड़ रुपये के ठेके मिले

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भेल को अडाणी पावर से 7,000 करोड़ रुपये के दो बिजली संयंत्रों के ठेके मिले हैं। भेल ने एक बयान में कहा कि पहला ठेका छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में स्थापित किए जा रहे 2x800 मेगावाट रायपुर

सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट का अडाणी पावर लिमिटेड से मिला है। बयान के अनुसार, उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में स्थापित किए जा रहे 2x800 मेगावाट मिर्जापुर सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट के लिए दूसरा ठेका एमटीईयूपीपीएल (अडाणी पावर लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी) से मिला हे। भारी उद्योग मंत्रालय के अधीन भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) भारत का सबसे बड़ा इंजीनियरिंग व विनिर्माण उद्यम है। यह ऊर्जा, उद्योग और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में काम करता है।

ईपीएफओ ने तत्काल प्रभाव से बंद की बड़ी सुविधा, अब कोविड–19 के लिए नहीं देगा एडवांस

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पैसे निकालने के नियम बदल दिए है। ईपीएफओ ने एक बयान में कहा कि वह अब कोविड–19 एडवांस नहीं देगा। ईपीएफओ ने कहा कि चूंकि कोविड–19 अब एक महामारी नहीं है, इसलिए सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अग्रिम को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है। यह छूट प्राप्त ट्रस्टों पर भी लागू होगा और तदनुसार आपके

संबंधित अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी ट्रस्टों को सूचित किया जा सकता है। इससे पहले, कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) खाताधारक कोविड के बीच दो बार पैसा निकाल सकते थे। इसे कोविड–19 महामारी की पहली लहर के दौरान पेश किया गया था और बाद में दूसरी लहर में एक और अग्रिम पेश किया गया था। इसके तहत, ईपीएफओ ग्राहक तीन महीने के लिए मूल वेतन और महंगाई भत्ते से अधिक नहीं या ईपीएफ खाते में सदस्य के जमा राशि का 75: तक, जो भी कम हो, गैर–वापसी योग्य अग्रिम का लाभ उठा सकते हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने बीते वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान 4.45 करोड़ दावों का निपटान किया है। इनमें से 2.84 करोड़ दावे ईपीएफ खाते से पैसा निकालने को लेकर थे। श्रम मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि 'जीवनयापन में आसानी' के लिए ईपीएफ योजना, 1952 के पैरा 68के... शिक्षा और विवाह को लेकर... और 68बी...मकान के लिए... के तहत सभी दावों को स्वतरू दावा समाधान व्यवस्था के अंतर्गत लाया गया है।

अफगानिस्तान ने पीएनजी को सात विकेट से हराया, सुपर आठ में पहली बार बनाई जगह

तारोबा। फजलहक फारूकी और नवीन उल हक की धारदार गेंदबाजी से अफगानिस्तान ने यहां पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) को सात विकेट से हराकर पहली बार टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में जगह बनाई। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फारूकी (16 रन पर तीन विकेट) और नवीन (चार रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने पीएनजी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 95 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए 15.1 ओवर में तीन विकेट पर 101 रन बनाकर जीत दर्ज की। गुलबदिन नैब ने 36 गेंद में नाबाद 49 रन की पारी खेलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। तीन मैच में तीन जीत से छह अंक के साथ अफगानिस्तान ग्रुप सी से सुपर आठ में जगह बनाने वाली दूसरी टीम बनी। सहमेजबान वेस्टइंडीज (छह अंक) पहले ही अगले दौर में जगह बना चुका है। इसके साथ ही 2021 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने वाला न्यूजीलैंड प्रतियोगिता से बाहर हो गया। न्यूजीलैंड ने लगातार दो मैच गंवाए हैं। टीम अंक तालिका में अंतिम स्थान पर चल रही है और अभी उसके अंकों का खाता भी नहीं खुला है। न्यूजीलैंड की टीम अपने अंतिम दो मैच अब युगांडा और पीएनजी के खिलाफ खेलेगी जो महज औपचारिकता के मुकाबले हैं। राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद फारूकी ने अपने दूसरे ओवर में दो विकेट चटकाकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। वह अब तक टूर्नामेंट में 11.2 ओवर में 42 रन देकर 12 विकेट चटका चुके हैं। फारूकी के तेज गेंदबाजी जोड़ीदार नवीन ने उनका अच्छा साथ निभाते हुए 2.5 ओवर में चार रन देकर दो विकेट चटकाए। सेमो कामिया के रन आउट के साथ 19.5 ओवर में पीएनजी की पारी सिमट गई। अफगानिस्तान ने अगर 25 अतिरक्त रन नहीं दिए होते तो पीएनजी की हालत और खराब होती। इसमें 13 रन वाइड के भी शामिल हैं। अफगानिस्तान के गेंदबाज टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में हैं और उनके खिलाफ अब तक एक बार भी 100 रन भी नहीं बने हैं। टीम ने इससे पहले युगांडा को 16 ओवर में 58 और न्यूजीलैंड को 15.2 ओवर में 75 रन पर समेटा था। पीएनजी की ओर से किपलिन डोरिगा ने सर्वाधिक 27 रन बनाए। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज टोरी ऊरा (11) और एलेई नाओ (13) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे अफगानिस्तान की शुरुआत भी खराब रही और टीम ने तीसरे ओवर में 22 रन तक ही अच्छी फॉर्म में चल रहे अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों रहमानुल्लाह गुरबाज (11) और इब्राहिम जादरान (00) के विकेट गंवा दिए। जादरान को कामिया जबकि गुरबाज को नाओ ने बोल्ड किया। गुलबदिन ने हालांकि मोहम्मद नबी (नाबाद 16) के साथ चौथे विकेट के लिए 46 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

कनाडा के खिलाफ कोहली की फॉर्म पर रहेंगी नजरें, बारिश के खलल की संभावना

लॉडरहिल। भारत टी20 विश्व कप के अपने अंतिम ग्रुप ए मैच में शनिवार को यहां जब कनाडा से भिड़ेगा तो स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के पिछले कुछ मैचों में कम स्कोर उसके लिए चिंता की बात होंगे। टीम को साथ ही उम्मीद होगी कि मुकाबले में बारिश का खलल नहीं पड़ेगा क्योंकि फ्लोरिडा के कई हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है। तीन मैच में तीन जीत के साथ भारत पहले ही सुपर आठ चरण में जगह बना चुका है जिसके सभी मुकाबले वेस्टइंडीज में होंगे। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की ओर से 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 700 से अधिक रन बनाने के बाद कोहली टी20 विश्व कप में आए थे लेकिन शुरुआती मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। वह अब अब तीन मैच में 1.66 के औसत से पांच ही रन बना पाए हैं जिसमें अमेरिका के खिलाफ 'गोल्डन डक' (पहली गेंद पर खाता खोले बिना आउट होना) भी शामिल है। उम्मीद है कि वह एक बार फिर आईसीसी प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करेंगे जो 13 साल बाद भारत के लिए एक और आईसीसी खिताब जीतने का उनका संभवतरू आखिरी मौका है। भारतीय टीम न्यूयॉर्क से 1850 किमी की यात्रा करके फ्लोरिडा पहुंची है और उम्मीद है कि शहर बदलने के साथ कोहली को भाग्य भी बदलेगा। ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम की पिच से गेंदबाजों को शायद न्यूयॉर्क जितनी मदद नहीं मिले जहां की पिच पर असमान उछाल था और धीमा आउटफील्ड के कारण क्रिकेट से अधिक मैदान और पिच की चर्चा हो रही थी। कोहली के ऊपर से हालांकि इस तथ्य से दबाव कुछ कम होगा कि उनके खराब प्रदर्शन का असर टीम के प्रदर्शन पर नहीं पड़ा है। कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज कर रहे कोहली के जल्दी आउट होने से हालांकि टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिल रही और बाद में आने वाले बल्लेबाजों पर दबाव बन रहा है। ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव जैसे बल्लेबाज हालांकि कोहली के खराब प्रदर्शन की भरपाई करने में काफी हद तक सफल रहे हैं। पंत ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ क्रमशरू 36 और 42 रन की पारियां खेलकर इन दोनों मैच में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। सूर्यकुमार यादव ने टूर्नामेंट में खराब शुरुआत से उबरते हुए अमेरिका के खिलाफ महत्वपूर्ण अर्धशतक जड़ा। शिवम दुबे ने भी सह मेजबान के खिलाफ 35 गेंद में 31 रन बनाए जिससे संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल पर उन्हें एक बार फिर तरजीह मिलने की उम्मीद है। अगर भारत जायसवाल को मौका देता है तो वह पारी का आगाज करेंगे और ऐसे में कोहली को अपने तीसरे नंबर पर लौटना होगा। भारतीय बल्लेबाजों को भले ही न्यूयॉर्क की 'ड्रॉप इन पिचों' (दूसरी जगह तैयार करके लाई गई पिचें) पर जूझना पड़ा हो लेकिन इन विकेटों पर उसके गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।

कौन वीरेंद्र सहवाग? जीत के बाद रिपोर्टर के सवाल पर बौखलाए शाकिब अल हसन

बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन अचानक से सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे हैं। दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप के नीदरलैंड्स के खिलाफ बांग्लादेश की तरफ से शाकिब अल हसन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस मुकाबले में उन्होंने शानदार अर्धशतक जमाया। शाकिब ने बांग्लादेश को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश के सुपर–8 में पहुंचने की उम्मीदें पुख्ता हो गई हैं। वहीं इस मैच के बाद शाकिब अल हसन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें उनसे कई सवाल पूछे गए, लेकिन जब उन्हें एक रिपोर्टर ने वीरेंद्र सहवाग के बारे में सवाल किया तो उन्होंने कहा कि, कौन वीरेंद्र सहवाग? गुरुवार को नीदरलैंड्स के खिलाफ शाकिब अल हसन ने 46 गेंदों में 9 चौके की मदद से नाबाद 64 रन की पारी खेली। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 46 गेंदों में 9 चौके की मदद से नाबाद 64 रन की पारी खेली। शाकिब ने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का 13वां अर्धशतक जमाया। टी20 वर्ल्ड कप में शाकिब ने 8 साल बाद अर्धशतक जड़ा है। फॉर्म में लौटते ही शाकिब अल हसन ने अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। इस कड़ी में भारतीय पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी शाकिब की खराब फॉर्म के चलते उन्हें संन्यास लेने की सलाह दी थी। सहवाग ने कहा था कि शाकिब को काफी पहले ही टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले लेना चाहिए। वीरू ने ये भी कहा कि शाकिब के फटाफट प्रारूप में आंकड़े बाद में शर्मनाक कहलाएंगे।

एलन मस्क के वेतन पर लगी मुहर, घर ले जाएंगे 4.38 लाख करोड़ की सैलरी

कई वर्षों के इंतजार के बाद सुलझा मामला

वर्षों से टेस्ला से मिलने वाले वेतन के इंतजार में बैठे कंपनी के सीईओ एलन मस्क के लिए खुशी की खबर है। टेस्ला के शेयरधारकों ने सीईओ एलन मस्क के लिए अरबों डॉलर के वेतन पैकेज को मंजूरी दी है। इस वर्ष जनवरी के महीने में ही अदालत ने इस पैकेज को खारिज किया था। अब शेयरधारकों ने मंजूरी दी है। शेयरधारकों ने टेस्ला को टेक्सास ले जाने के पक्ष में भी मतदान किया। एलन मस्क का मुआवज़ा पैकेज, टेस्ला के शेयरों को बहुत कम कीमत पर खरीदने के लिए 303 मिलियन विकल्प, पाँच महीने पहले 51 बिलियन डॉलर का था। हालांकि अब उन्हें मिलने वाले पैकेज को मंजूरी मिल चुकी है। इसके साथ ही दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की दौलत में जबरदस्त बढ़ोतरी हो जाएगी। टेस्ला के शेयरधारकों की एनुअल बैठक 13 जून को हुई थी। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट की मानें तो इस बैठक में शेयरहोल्डर्स के समक्ष एलन मस्क को पे पैकेज का प्रस्ताव आया था। उस पैकेज के समर्थन में ही शेयरधारकों ने वोट किया है। इस वर्ष टेस्ला के शेयर मूल्य में लगातार गिरावट के कारण गुरुवार को बाजार बंद होने तक इसकी कीमत 48.3 बिलियन डॉलर हो गई है। कंपनी के शेयर की कीमत 2021 के अंत में एक ट्रिलियन डॉलर वाली कंपनी के रूप में अपने चरम से आधे से अधिक गिर गई है। टेस्ला ने कहा कि एलन मस्क के वेतन पैकेज को उसी तरह जारी रखना होगा ताकि एलन मस्क पूरी तरह से टेस्ला को चलाने में व्यस्त रहें। ऐसा इसलिए ताकि एलन मस्क अपनी अन्य कंपनियों पर ध्यान न दें, क्योंकि वह स्पेसएक्स, न्यूरालिंक, बोरिंग कंपनी के प्रमुख और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक भी हैं, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था। टेस्ला के अध्यक्ष रोबिन डेनहोम ने शेयरधारकों को लिखे पत्र में कहा, ष्यह स्पष्ट रूप से पैसे के बारे में नहीं है। हम सभी जानते हैं कि एलन ग्रह पर सबसे धनी व्यक्तियों में से एक हैं, और यदि टेस्ला 2018 में की गई प्रतिबद्धता से मुकर भी जाए तो भी वे धनी ही बने रहेंगे। एलन कोई आम कार्यकारी नहीं हैं और टेस्ला कोई आम कंपनी नहीं है। यही वह बात है जो उन्हें शेयरधारकों के लिए मूल्य सृजन जारी रखने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने आगे कहा, ष्हमने 2018 में जो पहचाना और आज भी पहचानते हैं वह यह है कि एक चीज जो निश्चित रूप से एलोन के पास नहीं है, वह है असीमित समय। न ही उन्हें विचारों और अन्य स्थानों की कमी का सामना करना पड़ता है जहाँ वे दुनिया में एक अविश्वसनीय बदलाव ला सकते हैं। हम चाहते हैं कि वे विचार, वह ऊर्जा और वह समय टेस्ला में हो, ताकि आप, हमारे मालिकों को लाभ हो। लेकिन इसके लिए पारस्परिक सम्मान की आवश्यकता है।" वेतन पैकेज के अन्य समर्थकों में आर्क इन्वेस्ट की सीईओ एवं मुख्य निवेश अधिकारी कैथी वुड तथा बैरन कैपिटा के सीईओ रॉन बैरन शामिल थे। हाल ही में दिए गए एक बयान में उन्होंने कहा, ष्एलोन एक बेहतरीन श्की मैनश हैं। उनकी अथक मेहनत और अडिग मानकों के बिना, टेस्ला जैसी कोई कंपनी नहीं होती।ष इस सौदे के खिलाफ मतदान करने वालों में कैलिफोर्निया स्टेट टीचर्स रिटायरमेंट फंड भी शामिल है, जिसने कहा, ष्हालांकि हम 2018 में अनुदान की तारीख के बाद से श्री मस्क के नेतृत्व में उत्पन्न महत्वपूर्ण मूल्य की सराहना करते हैं, हम पुरस्कार के कुल आकार के बारे में चिंतित हैं।''

कंपनी में हो रहा है महिला कर्मचारियों के साथ भेदभाव, कम वेतन देने के लगाए गए हैं गंभीर आरोप

एप्पल कंपनी दिग्गज टेक कंपनी है, जो दुनिया भर में कस्टमर्स को बेहतरीन प्रोडक्ट और सर्विस देती है। मगर अब कंपनी पर गंभीर आरोप लग रहे है। ये आरोप कंपनी पर एप्पल की महिला कर्मचारियों ने ही लगाए है। महिला कर्मचारियों का कहना है कि कंपनी में समान कार्य और भूमिका निभाने के लिए महिलाओं को पुरुषों की अपेक्षा कम वेतन दिया जाता है। इस संबंध में कुछ महिला कर्मचारियों ने एप्पल के खिलाफ मुकदमा

भी दायर किया है। महिलाओं का कहना है कि एप्पल के इंजीनियरिंग, मार्केटिंग, एप्पलकेयर विभागों में महिला कर्मचारियों को पुरुष कर्मचारियों की अपेक्षा कम वेतन दिया जाता है। महिलाओं ने दावा किया कि एप्पल कर्मचारियों से उनके पारिश्रमिक इतिहास के बारे में पूछकर शुरुआती वेतन निर्धारित करता है। इस प्रथा ने ष्पुरुषों और महिलाओं के बीच ऐतिहासिक वेतन असमानताओं को कायम रखा है। कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील ने कहा, ष्वेतन अपेक्षाओं के बारे में ऐसी जानकारी एकत्र करने और उस जानकारी का उपयोग करके प्रारंभिक वेतन निर्धारित करने की एप्पल की नीति और अभ्यास का महिलाओं पर असमान प्रभाव पड़ा है, और महिलाओं और पुरुषों को समान कार्य करने के लिए समान वेतन का भुगतान करने में एप्पल की विफलता कानून के तहत उचित नहीं है।

सम्पादकीय.....

पारदर्शिता–शुचिता के प्रश्न

हाल के दिनों में देश में विभिन्न रोजगारपरक प्रतियोगी परीक्षाओं व व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने और संदेह के घेरे में आने के मामले लगातार उजागर होते रहे हैं। निश्चित रूप से सुनहरे भविष्य की आस में रात–दिन एक करने वाले प्रतियोगियों के साथ यह अन्याय बेहद कष्टदायक है। जो प्रतिभागियों का विश्वास व्यवस्था से उठाता है। मेडिकल परीक्षा की पुरानी प्रक्रिया में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिये लाई गई नई व्यवस्था भी अब सवालों के घेरे में है। यही वजह है वर्ष 2024 की नीट–यूजी परीक्षा के रिजल्ट आने पर परीक्षार्थियों में गहरा रोष व्याप्त हो गया। जिसके खिलाफ हजारों छात्रों ने कोर्ट में याचिकाएं दायर की हैं। छात्र दोबारा प्रवेश परीक्षा आयोजित करने की मांग कर रहे हैं। बीते सोमवार इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को नोटिस देकर जवाब देने को कहा है। दरअसल, परीक्षार्थी पेपर लीक व नंबर देने में अनियमितताओं के आरोप लगा रहे हैं। कोर्ट ने सवाल उठाया है कि इस अविश्वास पैदा होने की वजह क्या है? जाहिरा तौर पर लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ी परीक्षा प्रणाली को संदेह से परे होना ही चाहिए। यदि व्यवस्था में कोई खामी है तो उसका निराकरण बेहद जरूरी है। दरअसल, इस संदेह की वजह यह भी है कि देश के मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिये एनटीए द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह–प्रवेश परीक्षा यानी नीट–यूजी को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। आरोप लगे हैं कि इस बार परीक्षा में 67 कैंडिडेट को शत–प्रतिशत अंक मिले हैं, जबकि पिछले पांच वर्षों में पूर्ण अंक पाने वालों की संख्या सिर्फ तीन थी। सवाल ग्रेस मार्क्स देने की तार्किकता को लेकर भी उठे हैं। वहीं टॉप पर आने वाले 67 छात्र चुनिंदा कोचिंग सेंटरों से जुड़े हैं। कुल मिलाकर परीक्षा की पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। निश्चित रूप से लाखों छात्रों की उम्मीदों वाली इस देशव्यापी परीक्षा को लेकर किसी किंतु–परंतु की गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए। दरअसल, देश के विभिन्न राज्य भी इस परीक्षा प्रणाली को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। खासकर कोचिंग सेंटरों के खेल व अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते आरोप लगाये जाते हैं। आरोप हैं कि इस परीक्षा में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में परीक्षा देने वाले छात्रों को न्याय नहीं मिलता। तमिलनाडु समेत दक्षिण भारत के कई राज्य आरोप लगाते रहे हैं कि राज्य की भाषा के छात्रों को नई परीक्षा प्रणाली से नुकसान उठाना पड़ रहा है। तमिलनाडु सरकार ने बाकायदा इस बाबत पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक कमेटी भी गठित की थी। राज्य सरकार का आरोप है कि मेडिकल कॉलेजों में तमिल भाषी छात्रों को कम जगह मिल रही है। निश्चित रूप से जहां इस परीक्षा के पेपर लीक व ग्रेस मार्क्स में अनियमितताओं को लेकर उठे सवालों के समाधान तलाशने की जरूरत है, वहीं हिंदी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के परीक्षार्थियों के साथ न्याय होना भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जब पूरे देश में हजारों छात्र पुनरू परीक्षा कराने की मांग पर अड़े हैं और पूरे देश में इसके खिलाफ याचिकाएं दायर की जा रही हैं तो नीति–नियंताओं को मामले की तह तक जाना चाहिए। गत पांच मई को हुई इस परीक्षा में चौबीस लाख परीक्षार्थी शामिल होने की बात कही जा रही है तो इसके व्यापक दायरे और इससे जुड़ी आकांक्षाओं का आकलन सहज ही हो जाता है। ऐसे में बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों को शत–प्रतिशत अंक मिलने तथा पंद्रह सौ छात्रों का अनुग्रह अंक पा जाना तार्किकता की कसौटी पर खरा नहीं उतरता। निस्संदेह, लाखों छात्रों के लिये परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था संदेह से मुक्त होनी चाहिए। परीक्षा की शुचिता बनाये रखने के लिये निष्पक्ष जांच जरूरी है। अन्यथा छात्रों का व्यवस्था से भरोसा उठ जाता है। नीति–नियंताओं को सोचना चाहिए कि इन्हीं अव्यवस्था व अनियमितताओं के चलते हर साल लाखों छात्र पढ़ाई व नौकरी के लिये लगातार विदेश जा रहे हैं। भारतीय प्रतिभाओं व धन का बाहर जाना देश के हित में कदापि नहीं हो सकता है।

नागरिक उठायें विश्व शांति के पक्ष में आवाज

एजेंसी

रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण यूरोप के तीन चौथाई देशों ने रक्षा बजट में व्यापक बढ़ोतरी की है। वहां पिछले दो वर्षों से अशांति बनी हुई है। ऐसे ही, इजरायल के साथ फिलीस्तीन, ईरान आदि की लड़ाइयों के कारण बड़े पैमाने पर विनाश हुआ है।

मंगलवार को प्रकाशित हुई ग्लोबल पीस इंडेक्स की रिपोर्ट चिंताजनक है। इसके अनुसार हाल में दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में 56 संघर्ष हुए हैं। दूसरे विश्व युद्ध के बाद के पिछले लगभग 8 दशकों में इतनी अधिक अशांति कभी नहीं रही। यह रिपोर्ट आंकड़ों में प्रकाशित हुई है लेकिन ऐसी अशांति दुनिया को किस ओर ले जा रही है, यह बतलाने की जरूरत नहीं। इन संघर्षों के कारण होती तबाही से विकास पीछे रह जाता है। रिपोर्ट दुनिया भर में शांति बहाली के नये प्रयासों की जरूरत को भी दर्शाती है। संघर्षों में एक ओर देशों को अपने बजट का बड़ा हिस्सा सेनाओं, गोला–बारूद आदि पर खर्च करना पड़ता है जिसके कारण नागरिकों की सुविधाओं में कटौतियां होती हैं। विस्थापन, मौतें, भुखमरी, बीमारियां, अशिक्षा आदि युद्धों का प्रत्यक्ष प्रतिफल है। स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, बिजली, पानी, आवास व्यवस्थाएं या तो सीधी लड़ाइयों में बर्बाद होती हैं अथवा उन पर खर्च करना उन देशों की सरकारों के लिये कठिन हो जाता है जो संघर्षों में शामिल होते हैं। वैश्विक शांति के बिना मानव के विकास और उसकी गरिमा की कल्पना नहीं की जा सकती। यह स्थिति सभ्य समाज के अनुकूल नहीं है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 11 करोड़ लोग लड़ाइयों के चलते विस्थापित हुए हैं या शरणार्थी शिविरों में जीवन जी रहे हैं। रिपोर्ट में बतलाया गया है कि 92 देशों की सीमाओं पर या तो युद्ध जारी हैं अथवा वहां युद्ध सदृश्य परिस्थितियां हैं। 97 देशों में शांति की स्थिति में गिरावट दर्ज की गयी है। रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण यूरोप के तीन चौथाई देशों ने रक्षा बजट में व्यापक बढ़ोतरी की है। वहां पिछले दो वर्षों से अशांति बनी हुई है। ऐसे ही, इजरायल के साथ फिलीस्तीन, ईरान आदि की लड़ाइयों के कारण बड़े पैमाने पर विनाश हुआ है। हजारों लोग मारे गये हैं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। इन युद्धों के कारण अधोरचना का विनाश सर्वाधिक होता है। सड़कें, पुल, स्कूल भवन, अस्पताल, आवासों को जो क्षति होती है वह नागरिकों का सीधा नुकसान है। युद्ध चलते तक पुनर्निर्माण सम्भव नहीं होता और युद्ध रूकने के बाद देशों को बदहाली से उबरने में वर्षों लग जाते हैं। युद्ध के कारण माली हालत जर्जर हो जाती है। इन देशों के नागरिकों को अपना जीवन बदहाली में काटना होता है। अशांति का असर किस प्रकार से लोगों के जीवन पर पड़ता है वह इस तथ्य के आधार पर आंका जा सकता है कि इस रिपोर्ट में बताया गया है कि लड़ाइयों के कारण 19 लाख करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ है जो दुनिया की जीडीपी का 13.5 फीसदी है– अमूनन प्रति व्यक्ति 2 लाख रुपये का नुकसान। इन स्थितियों में संयुक्त राष्ट्रसंघ की भूमिका पर भी प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है। अक्सर माना जाता हैय और जो बड़े पैमाने पर सही भी है कि बड़े व शक्तिशाली देशों पर संयुक्त राष्ट्रसंघ का बस नहीं चलता। उपरोक्त उल्लिखित दोनों ही देशों में ऐसा होता दिखा है। यहां यह भी समझ लेना जरूरी है कि बहुत से शक्तिशाली देश हथियार उत्पादक भी हैं जिनकी दिलचस्पी शांति में कम युद्ध या तनाव की स्थिति को बनाये रखने में होती है। दुनिया में चाहे शीत युद्ध समाप्त हो गया हो और विश्व एकध्रुवीय बन गया हो तब भी किसी संघर्ष या युद्ध के दौरान देखा जाता है कि दुनिया दो धड़ों में विभाजित हो जाती है। कुछ देश लड़ाई में शामिल एक पक्ष के साथ खड़े होते हैं तो कुछ दूसरे पक्ष के साथ। लड़ाई हो या न हो, परन्तु तनाव की यह स्थिति भी शक्तिशाली व हथियार निर्माता देशों के मुफीद होती है। लड़ने के लिये अथवा सुरक्षा के मद्देनजर उनके हथियार बिकते हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ एवं तटस्थ देशों की शांति की अपीलों को अनसुना कर कई देश तनाव को बढ़ाने के प्रयास करते हैं। इस रिपोर्ट में दक्षिण एशिया के सम्बन्ध में जो रिपोर्ट है वह कुछ सुकून भरी हो सकती है। पिछली रिपोर्ट के बाद भारत एवं उसके पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, अफगानिस्तान, श्रीलंका आदि की रैंकिंग सुधरी है। भारत के परिप्रेक्ष्य में कहें तो उसकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। तीसरी दुनिया कहे जाने वाले एशियाई, अफ्रीकी व लातिन अमेरिका के अविकसित व विकासशील देशों को अशांति का खामियाजा अधिक भुगतना पड़ता है। गुट निरपेक्ष आंदोलन के एक तरह से निष्क्रिय हो जाने के बाद भारत की ओर से शांति की पहल होनी बन्द हो गयी है वरना इन परिस्थितियों में उसकी सुनी जाती थी। आंदोलन के पीछे महात्मा बुद्ध के पंचशील तथा महात्मा गांधी के अहिसा व शांति का संदेश होता था। आज भी इन दोनों के साथ जवाहरलाल नेहरू की बातें वैश्विक शांति के सन्दर्भ में प्रासंगिक बनी हुई हैं। दुनिया को तरक्की के रास्ते पर ले जाना हो तो सर्वप्रथम वैश्विक शांति जरूरी है। इसके लिये सभी देशों को संयम बरते जाने की जरूरत है। जो देश हथियारों के सौदागर हैं पहले वे ही युद्ध की स्थिति पैदा करते हैं, फिर शांति की बात करते हैं और अंततरू युद्ध कराकर अपने हथियार बेचते हैं। अच्छी–खासी तबाही कराकर वे युद्ध रूकवा देते हैं। इसके बाद उन देशों में निर्माण कार्यों के ठेके आदि लेते हैं। देखें तो युद्ध एक कुटिल अर्थप्रणाली का हिस्सा है जिससे कुछ देश ही लाभान्वित होते हैं और ज्यादातर तबाह। कभी धर्म तो कभी राष्ट्रवाद के नाम पर होती लड़ाइयां सरकारों के लिये तो लाभप्रद हो सकती हैं पर नागरिकों की भलाई वैश्विक शांति में ही निहीत है। इसलिये शांति के पक्ष में जनता को आवाज उठानी चाहिये। देशों के बीच परस्पर सौहार्द्र व भाई–चारा जरूरी है। इसके लिये सम्पूर्ण निरूशस्त्रीकरण और असैन्यीकरण अंतिम उपाय हैं।

मोहन भागवत ने जो कहा और जो नहीं कहा

सर्वमित्रा सुरजन

एनडीए सरकार के गठन को जुम्मा–जुम्मा आठ दिन भी नहीं हुए कि अभी से इसमें बिखराव की खबरें आने लगीं हैं। तेदेपा और जदयू जैसे दलों के सहारे इस बार की एनडीए सरकार खड़ी हुई है। इसलिए इन दलों को मोदी की बैसाखी कहा जा रहा है। एक भी बैसाखी अलग हुई नहीं कि सरकार लड़खड़ा जाएगी या गिर जाएगी, यह राजनीति के जानकारों का कहना है। इसमें कुछ गलत भी नहीं है, क्योंकि अतीत में एनडीए सरकार के साथ ऐसा हो चुका है। अटल बिहारी वाजपेयी भी तीन बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, लेकिन तीन में से दो बार उनकी सरकार गिर गयी थी, एक बार 13 दिन और एक बार 13 महीने में। केंद्र और राज्यों में कई उदाहरण मौजूद हैं, जब गठबंधन सहयोगियों के अचानक अलग हो जाने के कारण अच्छी–खासी चल रही सरकार गिर गई और सत्ताधारियों को विपक्ष में बैठना पड़ा। बिहार इसका ताजातरीन उदाहरण है, जहां नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन को झटका देकर भाजपा का साथ दे दिया। हरियाणा में भी ऐसा होने के कयास लग रहे थे, लेकिन वहां अब तक भाजपा की सरकार कायम है। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर अब केन्द्रीय मंत्रिमंडल का हिस्सा बन गए हैं। वे संघ के दिनों के नरेन्द्र मोदी के साथी हैं, लिहाजा उन्हें यथोचित सम्मान मिल गया। इसी तरह शिवराज सिंह चौहान को जब मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया और उसके बाद लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया गया, तो सवाल उठने लगे थे कि आखिर इसके पीछे क्या रणनीति है। संघ की शाखाओं में दीक्षित शिवराज सिंह चौहान भारी मतों से जीत कर संसद पहुंचे और अब वे भी मंत्रिमंडल में सुशोभित कर दिए गए हैं। तीसरी बार भाजपा नेतृत्व में गठित एनडीए सरकार में संघ का क्या प्रभाव है, यह बात इन दो उदाहरणों से समझी जा सकती है। गठबंधन के साथी नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, चिराग पासवान, जीतनराम मांझी या रामदास अठावले इस प्रभाव से अनजान हों, ऐसा भी नहीं है। लेकिन उन्हें भी शायद अब तक इससे तकलीफ नहीं है, क्योंकि सत्ता में बने रहने के लिए जो थोड़ा बहुत सामंजस्य बिठाना पड़ता है, समझौते करने पड़ते हैं, वे दोनों तरफ से किए जा रहे हैं। हालांकि कब तक आपसी समझदारी दिखाई जाती रहेगी, यह सवाल अब भी अनुत्तरित ही हैं। बहरहाल, सत्ता गठन के लिए किए गए समझौतों की इस पृष्ठभूमि में संघ के प्रभाव के साथ–साथ उसके उद्देश्यों को समझना कठिन नहीं है। हाल ही में कुछ ऐसे वाकये हुए हैं, जिनसे इस बात को थोड़े और खुलासे के साथ समझा जा सकता है। नरेंद्र मोदी ने चुनावों में जनता के समर्थन के लिए मंगलवार को आभार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि वे अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल से श्मोदी का परिवारश का नारा हटा लें। गौरतलब है कि लालू प्रसाद ने जब परिवार के महत्व पर अपने भाषण में नरेन्द्र मोदी को घेरते हुए कहा था कि अपनी मां के देहांत के बाद भी उन्होंने बाल नहीं मुंडवाए थे, तो इसके जवाब में श्री मोदी ने पूरे भारत के लोगों को अपना परिवार बताया था और फिर भाजपा नेताओं समेत कई मोदी समर्थकों ने सोशल मीडिया में अपनी पहचान में मोदी का परिवार लिखना शुरु कर दिया था। अब नरेन्द्र मोदी उन्हें इस पहचान को खत्म करने के लिए कह रहे हैं। यह काफी अजीब बात है कि कोई परिवार किसी मकसद के पूरा हो जाने के बाद खत्म करने के लिए कहा जाए। क्या सनातनी संस्कृति को मानने वाले इस बात से सहमत होंगे कि परिवार कांट्रैक्ट के आधार पर बने और फिर खत्म भी हो जाए। राजनीति में कुछ भी अकारथ नहीं होता, इसलिए नरेन्द्र मोदी की इस अपील के पीछे असल मकसद क्या है, यह शायद भविष्य में पता चले। एक अन्य आश्चर्य वाली बात यह है कि भाजपा की आधिकारिक वेबसाइट में मार्गदर्शक मंडल विभाग में चार तस्वीरें हैं, जिनमें सबसे पहली तस्वीर नरेन्द्र मोदी की है, फिर लालकृष्ण आडवानी, मुरली मनोहर जोशी और फिर राजनाथ सिंह। 2014 में जब मार्गदर्शक मंडल बना था, तब भी नरेन्द्र मोदी और राजनाथ सिंह का नाम तो इनमें शामिल था, लेकिन इसका उल्लेख कभी नहीं किया जाता था। जिनकी आयु 75 पार की हो गई है, वे इसमें शामिल होंगे, यह सामान्य समझ थी। श्री मोदी अगले बरस 75 के होंगे और राजनाथ सिंह उनसे एक साल छोटे हैं। फिर इन दो नेताओं की तस्वीरें किसलिए भाजपा के मार्गदर्शक मंडल में शोभायमान हो रही हैं, यह भी चर्चा का विषय है। सरकार गठन और मोदी का परिवार खत्म होने की हलचलों के बीच एक महत्वपूर्ण घटना और घटी। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में दिए एक भाषण में कुछ ऐसी बातें कहीं, जिनके बाद यह कहा जाने लगा कि संघ और भाजपा के बीच दरार और बढ़ गई है। दरअसल मोहन भागवत ने मणिपुर में एक बरस से अधिक वक्त से जारी हिंसा का समाधान ढूंढने और शांति बहाली पर जोर दिया, इसके अलावा उन्होंने कुछ ऐसी बातें कहीं, जिनसे आभास हुआ कि ये सब नरेन्द्र मोदी को नसीहत देने के लिए कहा गया है। जैसे, श्री भागवत ने कहा कि एक श्सेवकश को अपने काम पर गर्व होना चाहिए, लेकिन उसे श्असंबद्धश और श्अहंकार से रहितश होना चाहिए। यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवकों को नसीहत है या खुद को देश का प्रधानसेवक कहने वाले श्री मोदी को, यह स्पष्ट नहीं किया गया। फिर चुनाव परिणामों को सहजता से स्वीकार करके, उसके विश्लेषण के चक्कर में न पड़ने की राय देते हुए मोहन भागवत ने कहा कि चुनावों को श्युद्धश की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। संघ हर चुनाव में जनमत को परिष्कृत करने का काम करता है और वह परिणामों के विश्लेषण में नहीं उलझता। संभवतरू मोहन भागवत का आशय यह था कि श्री मोदी कितने वोट से हार से बच गए और भाजपा की कहां, कितनी सीटें कम हुईं, या राम मंदिर का मुद्दा काम क्यों नहीं आया, हिंदुत्व की धार भोथरी क्यों पड़ी, इस पर माथापच्ची करने से बेहतर है कि संघ जिस तरह जनमत को परिष्कृत यानी जनता की मानसिकता को प्रभावित करने का काम उसे पूर्ववत करता रहे, बल्कि उसमें तेजी लाए, ताकि इस बार जो कसर रह गई, वो अगली बार पूरी हो जाए। ध्यान रहे कि अगले साल यानी 2025 में संघ की स्थापना के सौ बरस पूरे हो रहे हैं। जिस भारत को बनाने में संघ का कोई योगदान नहीं रहा, उसकी आजादी के 75 बरस को जब श्री मोदी ने राजनैतिक फायदे के लिए इतना भुनाया, वो भला संघ की शताब्दी के अवसर को सूखे में कैसे जाने दें। इसलिए अभी से संघ और नरेन्द्र मोदी इसकी तैयारी कर रहे हैं, यह मान ही लेना चाहिए। वैसे भी संघ इसकी तैयारी बहुत पहले से कर रहा है। अक्टूबर 2022 में उप्र में संघ की चार दिन की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक हुई थी, जिसमें संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बताया था कि श्2024 के अंत तक देश के सभी मंडलों में शाखा पहुंचाने की योजना बनाई गई है, इसके अलावा संघ कार्य को लेकर समय देने के लिए देशभर में तीन हजार युवक शताब्दी विस्तारक के लिए निकल चुके हैं और एक हजार शताब्दी विस्तारक और निकलने वाले हैं। यह बात दो साल पहले की है, तो इसका मतलब कम से कम पांच–सात हजार विस्तारक यानी पूर्णकालिक प्रचारक की जगह अपने काम के साथ–साथ संघ का प्रचार करने वाले लोग देश भर में निकले होंगे। राम मंदिर के उद्घाटन से पहले हर घर अक्षत बांटने का काम ऐसे ही नहीं हुआ है। इसलिए जे पी नड्डा का बयान कि भाजपा को अब संघ की जरूरत नहीं है, या मोहन भागवत की मणिपुर और चुनाव को लेकर दी गई ताजा नसीहत या यह मानना कि इस बार भाजपा की सीटें कम हुईं क्योंकि संघ ने उसका साथ नहीं दिया, दरअसल एक छलावे से अधिक कुछ नहीं है। कार्पोरेट की मदद से नरेन्द्र मोदी को 2014 में सत्ता पर बिठाने में संघ ने सफलता हासिल की। उसके बाद राम मंदिर उद्घाटन, काशी–मथुरा पर नए सिरे से माहौल बनाना, जम्मू–कश्मीर से 370 का खात्मा और सांप्रदायिक वैमनस्य की खाई को और चौड़ा करने तक अपने कई एजेंडो को संघ ने पूरा किया। इन्हीं दस सालों में नाथूराम गोडसे को महान बताने वाले संसद पहुंचे।

रियासी आतंकी हमला दर्शाता है अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण की सीमाएं

आशीष बिस्वास

सिख अलगाववादी अमृतपाल सिंह पंजाब के खडूर साहिब संसदीय क्षेत्र से विजयी होने से से केंद्र सरकार असमंजस में है। भारत सरकार इस बात पर अनिर्णीत है कि उनके साथ क्या किया जाना चाहिए। इस बात को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं कि क्या उन्हें असम के डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल से अंतरिम जमानत पर रिहा किया जायेगा, जहां उन्हें रखा गया है, या अन्य उपायों पर विचार किया जा रहा है। जो भी स्पष्टीकरण हो, सरकार की चुप्पी सब कुछ बयां कर रही है। न तो केंद्रीय गृह मंत्रालय और न ही केंद्रीय चुनाव आयोग ने चुनाव में खालिस्तानी समर्थक के जीतने की संभावना पर विचार किया था। यहां तक कि एक नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी सरकार के गठन को देखते हुए एक नरम आधिकारिक प्रतिक्रिया भी राजनीतिक चर्चाओं को शांत करने में मदद कर सकती थी। सच तो यह है कि अमृतपाल सिंह की जीत ने भारत सरकार को चौंका दिया। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नीति निर्माता नई दिल्ली में श्एनडीए गठबंधनश्च स्थापित करने में व्यस्त थे। बदलाव मुश्किल नहीं था, लेकिन ध्यान बंटाया नहीं जा सकता था। नयी एनडीए सरकार को काम पर लगना था और भाजपा के वर्चस्व वाले प्रशासन के पास खालिस्तानी समर्थकों के लिए समय नहीं था। इसके अलावा, नयी सरकार को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कश्मीर के रियासी जिले में हिंदू तीर्थयात्रियों की आतंकवादी हत्या, जहां अभी–अभी चुनाव हुए थे, उस दिन नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले रहे थे, एक स्पष्ट चेतावनी थी कि नियंत्रण रेखा पर स्थिति स्थिर नहीं थी। आतंकवादी हमले में पाकिस्तान का हाथ होने से इनकार नहीं किया जा सकता। आतंकी हमले का समय सावधानी से चुना गया था। पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन श्नयीच्च नरेंद्र मोदी सरकार की परीक्षा लेना चाहते थे। यह भारत के खिलाफ एक स्पष्ट रूप से भड़काऊ कार्रवाई थी। जब पुलवामा हुआ, तो मोदी ने जोरदार तरीके से बात की थी और नियंत्रण रेखा के पार बालाकोट पर विनाशकारी जवाबी हमले का आदेश दिया था। उस समय मोदी की पार्टी भाजपा के पास लोकसभा की 543सीटों में से 303 सीटें थीं। आज स्थिति अलग है। भाजपा ने 63 सीटें खो दी हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद उसके पास केवल 240 सीटें हैं। क्या मोदी 3.0 सीमा पार से उकसावे से निपटने की स्थिति में है? रियासी आतंकी हमला एक अनूठी चुनौती है। कोई आश्चर्य नहीं कि तीसरी बार स्थापित मोदी सरकार को प्रतिक्रिया देने में इतना समय लग गया। रिकॉर्ड के लिए, यह केवल पाकिस्तान ही नहीं है, चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ के देश भी यह जानना चाहेंगे कि नयी एनडीए सरकार विशिष्ट परेशानियों के खिलाफ कैसे काम करती है। कांग्रेस ने रियासी की घटना की निंदा की है। लेकिन सवाल यह भी पूछे जा रहे हैं कि क्या जम्मू–कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने वाले अनुच्छेद 370 को खत्म करना वाकई कारगर रहा? मोदी की कार्यशैली से परिचित अधिकांश पर्यवेक्षकों का मानना है कि भारत सरकार अपना समय और स्थान चुनकर प्रभावी ढंग से जवाब देगी। रियासी हमले में पाकिस्तान (या आईएसआई) की संलिप्तता स्थापित की जानी है। लेकिन खालिस्तानी भारत विरोधी आंदोलन को इसके समर्थन से इनकार नहीं किया जा सकता। तो, अमृतपाल सिंह के साथ क्या किया जाना चाहिए? कनाडा या यू. के. में सिख अलगाववादियों की भारत विरोधी गतिविधियों में वृद्धि –भारतीय मिशनों, सांस्कृतिक केंद्रों और मंदिरों को निशाना बनाना– एक क्षेत्रीय राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा है जिसे बहुत पहले तैयार किया गया था। पर्यवेक्षकों का कहना है कि इमरान खान शासन के दौरान कुछ साल पहले पाकिस्तान द्वारा अंतरराष्ट्रीय सिख तीर्थयात्रियों की आवाजाही और उनके लिए पवित्र करतारपुर साहिब स्थल पर जाने की सुविधा के लिए उदारीकरण किया गया था, जो खालिस्तान आंदोलन में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। कोलकाता के कुछ विश्लेषकों ने भविष्यवाणी की थी कि भारत सरकार को खालिस्तानी भारत विरोधी कूटनीतिक हमले के फिर से शुरू होने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। यह स्थान भारत की सीमा के बहुत करीब है, इसलिए भारत के लिए यह सुविधाजनक स्थिति नहीं है। सिखों के लिए नियमों में ढील दिए जाने से खालिस्तानी समर्थक तत्वों सहित भारतीय सिखों की संख्या में वृद्धि हुई है। केनेडा और अन्य जगहों पर भारत सरकारध्भारतीय राजनयिकों के सामने आने वाली चुनौतियों ने पहले व्यक्त की गयी आशंकाओं की पुष्टि की है। वास्तव में ब्रिटेन, केनेडा या अमेरिकी राजनयिकों के एक वर्ग में खालिस्तानियों के लिए पश्चिमी देशों का समर्थन भारत के लिए एक रहस्योद्घाटन, एक दर्दनाक सीखने के अनुभव से कम नहीं है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत के लिए अपने सभी दिखावटी समर्थन के बावजूद, पश्चिम ने भारतीय राजनीतिक संस्थानों, इसकी गुटनिरपेक्ष विदेश नीति, इसके आम चुनावों, इसके मानव संसाधन रिकॉर्ड और अल्पसंख्यकों को संभालने के बारे में अपना अविश्वास व्यक्त करना कभी बंद नहीं किया है। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए, अधिकांश पश्चिमी देशों द्वारा किसानों के आंदोलन के लिए समर्थन व्यक्त करना कोई आश्चर्य की बात नहीं थी। 2024 के लोकसभा चुनावों के नतीजों और भाजपा की ताकत में उल्लेखनीय गिरावट को लेकर पश्चिमी मीडिया के बड़े हिस्से के बीच आम तौर पर संतुष्ट स्वर में कोई गलती नहीं हो सकती है। स्पष्ट रूप से, भारत एशिया में एक क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन सकता है, लेकिन यह भारतीय नेताओं या उनके राजनीतिक दलों के लिए उन्नत पश्चिम के मुकाबले अहंकारी होने के लिए ठीक नहीं होगा! एनडीए को इस मामले में सावधानी से कदम उठाना चाहिए। वर्तमान स्थिति में, शत्रुतापूर्ण चीन और अविश्वासी पश्चिमी देशों के समूह का सामना करते हुए, उसे अपने घर को व्यवस्थित करना होगा। इसके लिए काम तय है। खालिस्तानियों द्वारा पेश की गयी चुनौती से सावधानीपूर्वक निपटना होगा।

सनी देओल ने पूरा किया 27 साल पुराना वादा, वीडियो शेयर कर की 'बॉर्डर 2' की अनाउंसमेंट

सनी देओल ने फैन्स के लिए एक बड़ी खुशखबरी शेयर कर दी है. 'गदर 2' की सक्सेस के बाद अब सनी देओल ने अपनी अगली फिल्म 'बॉर्डर 2' का ऑफिशियल ऐलान कर दिया है. यूं तो फैन्स इस बात से वाकिफ थे कि सनी पाजी 'बॉर्डर 2' लेकर आ रहे हैं. लेकिन अब इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट ने फिल्म पर पक्की मुहर लगा दी है. सुपरस्टार ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर कर ये गुड न्यूज सभी को दी है. सनी देओल के शेयर किए हुए वीडियो की शुरुआत वॉइसओवर के साथ होती है. जिसमें एक्टर की आवाज सुनाई देती है. सनी कहते हैं, "27 साल पहले एक फौजी ने वादा किया था कि वो वापस आएगा. उसी वादे को पूरा करने हिन्दुस्तान की मिट्टी को अपना सलाम कहने आ रहा है वो फिर से". इतना ही नहीं इस वीडियो को शेयर करते हुए सनी ने इसके कैप्शन में लिखा है कि, एक फौजी अपने 27 साल पुराने वादे को पूरा करने, आ रहा है फिर से. भारत की सबसे बड़ी युद्ध फिल्म 'बॉर्डर 2'.सनी देओल ने हाल ही में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है. जिसमें किसी तरह का कोई विजुअल नहीं है, सिर्फ बैकग्राउंड में सनी देओल की आवाज सुनाई दे रही है. वीडियो में सनी कहते सुनाई देते हैं– '27 साल पहले एक फौजी ने वादा किया था कि वह वो वापस आएगा. उसी वादे को पूरा करने, हिंदुस्तान की मिट्टी को अपना सलाम कहने३आ रहा है३फिर से३!' फिर बैकग्राउंड में कल्ट क्लासिक बॉर्डर का गाना 'संदेशे आते हैं३' भी सुनाई देता है. सनी देओल ने 'बॉर्डर 2' की अनाउंसमेंट वीडियो शेयर करने के साथ ही एक कैप्शन भी लिखा है. सनी ने लिखा– एक फौजी अपने 27 साल पुराने वादे को पूरा करने आ रहा है फिर से३इंडिया की सबसे बड़ी वॉर फिल्म 'बॉर्डर 2'. 'गदर 2' की शानदार सक्सेस के बाद सनी देओल को इस बात का यकीन हो गया कि आज भी उनकी पुरानी फिल्मों को फैन्स काफी पसंद करते हैं. 'गदर' के सीक्वल के बाद सनी और मेकर्स ने उनकी बड़ी–बड़ी हिट फिल्मों के सीक्वल बनाने की प्लानिंग शुरू की, जिसके चलते 'बॉर्डर 2' पर सोच विचार किया गया. इस फिल्म की शूटिंग जारी है और शूटिंग का काफी हिस्सा कंपलीट भी हो गया है. अब देखना ये होगा कि 'गदर 2' की तरह क्या दर्शक 'बॉर्डर 2' पर भी अपना प्यार लुटाते हैं या नहीं।

> "
> 'गदर 2' की सक्सेस के बाद अब सनी देओल ने अपनी अगली फिल्म 'बॉर्डर 2' का ऑफिशियल ऐलान कर दिया है. यूं तो फैन्स इस बात से वाकिफ थे कि सनी पाजी 'बॉर्डर 2' लेकर आ रहे हैं. लेकिन अब इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट ने फिल्म पर पक्की मुहर लगा दी है. सुपरस्टार ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर कर ये गुड न्यूज सभी को दी है.

सच्चे प्यार की तलाश में हैं बी टाउन का शहजादा, कार्तिक बोले-इश्क के मामले में मैं हूं अनलकी

बॉलीवुड में बहुत से ऐसे कपल हैं जिनकी राहें तो अलग हो गई है पर उनके प्यार के चर्चे सालों तक चलते रहे हैं। लोगों के फेवरेट कपल रह चुके सारा अली खान और कार्तिक आर्यन के साथ भी कुछ ऐसा ही है। बेशक यह दोनों ब्रेकअप के बाद भी अच्छे दोस्त हैं पर फैन चाहते हैं कि ये दोनों हमेशा के लिए एक हो जाएं।अब हाल ही में लाखों लड़कियों के दिलों में राज करने वाले कार्तिक ने बताया कि वह प्यार में अनलकी हैं। कार्तिक आर्यन का नाम बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर से लेकर कृति सेनॉन तक से जुड़ चुका है। पर सारा के साथ उनकी जोड़ी को बेहद पसंद किया गया था। सारा से ब्रेकअप के बाद एक्टर ने कुछ समय के लिए अनन्या पांडे को भी डेट किया था। हालांकि कई हसीनाओं के साथ नाम जुड़ने के चलते कार्तिक की इमेज पर काफी असर पड़ा है। उन्होंने एक इंटरव्यू में अपना दर्द बयां किया है। कार्तिक ने राज शमानी को एक इंटरव्यू में कहा–मेरी पर्सनल लाइफ पर एक प्वाइंट पर खूब बातें होने लगी थीं। जब उनके सवाल किया गया कि क्या उन्होंने पब्लिकली डेट न करने का सबक सीख लिया है, इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा–मैं तो प्राइवेट भी डेट नहीं कर रहा हूं. डरा–डरा घूम रहा हूं शायद। वह कहते हैं कि–फेमस होने के बाद अपने काम की वजह से आप बहुत ही कम लोगों से मिलते हैं। पैसा हो जाए, शौहरत कमा ली, लेकिन एक चीज पक्का है कि आप प्यार खरीद नहीं सकते हैं। कार्तिक ने सारी अफवाहों पर विराम लगाते हुए कहा–मैं किसी को डेट नहीं कर रहा हूं. मैं रोमांटिक हीरो कहलाता हूं लेकिन प्यार में अनलकी रहा हूं. ३। याद हो कि सारा और कार्तिक के प्यार का किस्सा काफी विद करण 6 से ही हुआ था। तब सारा शो में अपनेद्य पिता सैफ अली खान के साथ पहुंची थीं। उस एपिसोड में रैपिड फायर राउंड के दौरान जब करण ने एक्ट्रेस से पूछा था कि वह बॉलीवुड में किसे डेट करना चाहेंगी तो सारा ने झट से जवाब दिया था कर्तिक आर्यन।

आजकल दर्शक रील लाइफ और रियल लाइफ में अंतर समझते हैं : खयाति केसवानी

टीवी एक्ट्रेस ख्याति केसवानी टीवी सीरियल चाहेंगे तुम्हें इतना में अमृता का किरदार निभा रहीं है। उन्होंने पिछले कुछ सालों में खलनायक का किरदार निभाने पर अपनी जिंदगी में आए बदलावों के बारे में खुलकर बात की। ख्याति ने कहा, एक हीरो तब तक सही मायने में हीरो नहीं होता जब तक कि उसकी जिंदगी में कोई खलनायक न हो। मैंने पहले भी नेगेटिव रोल निभाए हैं, लेकिन शो श्चाहेंगे तुम्हें इतना की शूटिंग के दौरान मुझे एहसास हुआ कि समय कितना बदल गया है। उन्होंने कहा, खलनायक का किरदार पहले बहुत नेगेटिव हुआ करता थी, जहां किरदार जानबूझकर हीरो या हीरोइन को परेशान करता था। लेकिन, अब ग्रे शेड्स आ गए हैं। उदाहरण के लिए, मेरे शो में मेरा किरदार अमृता जो कुछ भी करती है, वह अपने बेटे कुणाल के लिए करती है। उसका किसी को परेशान करने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने आगे कहा, दर्शकों की मानसिकता में बदलाव आया है। वे किरदारों की भावनाओं को समझते हैं। पहले लोग नेगेटिव रोल निभाने वाले एक्टर्स को असल जिंदगी में भी नापसंद करते थे। लेकिन आजकल दर्शक रील लाइफ और रियल लाइफ में साफ अंतर कर सकते हैं। वे हमारे ऑन–स्क्रीन परफॉर्मेंस की सराहना करते हैं और हमें प्यार करते हैं। आने वाले एपिसोड में, उर्मिला, कुणाल, गीत और अमृता के साथ मिलकर सिद्धार्थ और आशी को अलग करने की कोशिश करती है, वह इसके लिए कुणाल को तलाक देने का प्लान बनाती है। गीत सिद्धार्थ को आशी के खिलाफ करने की कोशिश करती है, जिससे गलतफहमी पैदा होती है और सिद्धार्थ गलती से अमित को धक्का दे देता है। आशी गलतफहमी में पड़ जाती है और मानती है कि सिद्धार्थ ने जानबूझकर अमित को नुकसान पहुंचाया है। सिद्धार्थ आशी को कुणाल से शादी करने से रोकता है। वहीं उसका परिवार आशी को सिद्धार्थ के साथ भाग जाने के लिए कहता है। वह सिद्धार्थ से कहती है कि अगर वह उससे सच्चा प्यार करता है तो उसे छोड़ देना चाहिए। इस बीच, अमित कुणाल के प्लान को सुन लेता है और उसे रोकने की कोशिश करते समय घायल हो जाता है। चाहेंगे तुम्हें इतना शो शेमारू उमंग पर प्रसारित होता है।

मुश्किल वक्त में मेरे पिता सबसे बड़ी ताकत रहे हैं : नेहा जोशी

हर साल जून महीने के तीसरे रविवार को फादर्स डे मनाया जाता है। इस मौके पर एक्ट्रेस नेहा जोशी ने अपने पिता संग इमोशनल बॉन्ड को शेयर किया और बताया कि वह मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। नेहा शो अटल में कृष्णा देवी वाजपेयी के किरदार में नजर आ रही हैं। उन्होंने कहा मेरे पिता एक थिएटर आर्टिस्ट हैं। बड़े होते हुए, मैंने उन्हें स्टेज पर परफॉर्म करते देखा और उनसे एक्टिंग के बारे में बहुत कुछ सीखा। आज मैं जो कुछ भी हूं, उसके लिए मैं अपने पिता की ऋणी रहूंगी। वे हमेशा चट्टान की तरह मेरे साथ खड़े रहे हैं। ऑडिशन, रिजेक्शन और सेल्फ–डाउट के पलों में वे मेरी सबसे बड़ी ताकत रहे हैं। नेहा ने कहा, उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया और मुझे मेरे लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मुझे चुनौतियों, निराशा जैसे पलों से गुजरते हुए देखा, लेकिन मेरे दृढ़ संकल्प और जुनून को भी देखा है। उन्हें मुझ पर गर्व सिर्फ मेरे निभाए गए किरदारों को लेकर नहीं, बल्कि मेरी मजबूती और दृढ़ता के लिए भी है। उनका गाइडेंस अमूल्य रहा है। नेहा ने आगे कहा, मेरे पिता ने अपने प्यार, ताकत और अटूट विश्वास से मुझे आज जो कुछ भी बनाया है, जो आकार दिया है, उसे ध्यान में रखकर मैं आपको गौरवान्वित करने की कोशिश करती हूं। मेरा साथ देने के लिए आपका धन्यवाद पापा। अटल एंड टीवी पर प्रसारित होता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो नेहा टीवी शो श्अटलश में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की मां कृष्णा देवी के किरदार में हैं। उन्होंने कई मराठी फिल्मों के साथ–साथ टीवी सीरियलों में भी काम किया है। वह दृश्यम 2 में नजर आए आई। फिल्म में उन्होंने जेनी का रोल निभाया। इस फिल्म में अजय देवगन और तब्बू लीड रोल में थे। इसके अलावा, वह श्लालबागची रानी, हवा हवाई, बच के जरा भूत बंगले में जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने एक महानायक–डॉ बीआर अंबेडकर और का रे दुरावाश जैसे टीवी शो में भी काम किया है।

विजय वर्मा स्टारर मटका किंग की शूटिंग शुरू, जारी हुआ नया पोस्टर

इन दिनों विजय वर्मा स्टारर क्राइम थ्रिलर श्मटका किंगश की काफी चर्चा है। फैंस इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच मेकर्स ने एक बड़ा अपडेट जारी किया है। मेकर्स ने एक्टर का नया पोस्टर शेयर करते हुए बताया कि सीरीज की शूटिंग शुरू हो चुकी है। पोस्टर में विजय 90 के दशक के अवतार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने व्हाइट शर्ट पहनी हुई है, और ताश के साथ खेलते हुए दिख रहे हैं। पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, शर्त लगाने के लिए तैयार! मटका किंग जल्द ही, लेकिन अभी शूटिंग शुरू। मटका किंग की कहानी 1960 के दशक की है, जिसमें एक कपास व्यापारी श्मटकाश नामक एक नया जुआ खेल शुरू करता है। यह खेल शहर में तूफान मचा देता है। यह खेल पहले सिर्फ अमीरों और अभिजात वर्ग के लिए आरक्षित था, लेकिन अब हर वर्ग के लोग जुड़ जाते हैं। इस सीरीज में कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, गुलशन ग्रोवर और सिद्धार्थ जाधव जैसे कलाकार शामिल हैं। रॉय कपूर फिल्म्स के बैनर तले सिद्धार्थ रॉय कपूर और नागराज मंजुले के साथ गार्गी कुलकर्णी, आशीष आर्यन और अश्विनी सिद्वानी द्वारा निर्मित इस सीरीज का निर्देशन नागराज ने किया है और मंजुले के साथ अभय कोरानने ने इसे लिखा है। इस सीरीज को प्राइम वीडियो पर रिलीज किया जाएगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो विजय को पिछली बार स्ट्रीमिंग मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म मर्डर मुबारक में देखा गया था।

सेहत ही नहीं त्वचा को भी नुकसान पहुंचाता है नमक, इससे होता है स्किन एलर्जी का खतरा

एक नए शोध में पता चला है कि सोडियम युक्त नमक के अधिक मात्रा में सेवन से एक्जिमा का खतरा बढ़ सकता है, जिसमें त्वचा रूखी हो जाती है और उस पर चकत्ते पड़ जाते हैं, जिनमें खुजली होती है। पिछले शोधों में पाया गया है कि त्वचा में सोडियम अधिक मात्रा में होने से एक्जिमा समेत लंबे समय तक जलन और ऑटोइम्यून समस्याएं हो सकती हैं।

फास्ट फूड से भी है खतरा

इन शोध में यह भी पता चला है कि सोडियम की अत्यधिक मात्रा वाले फास्ट फूड के सेवन से भी किशोरों में एक्जिमा होने का खतरा बढ़ जाता है, जो बहुत गंभीर भी हो सकता है। नए शोध में पता चला है दैनिक अनुशंसित सीमा से एक ग्राम अधिक सोडियम खाने से भी एक्जिमा का खतरा 22 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। एक ग्राम सोडियम लगभग आधा चम्मच नमक या अंतरराष्ट्रीय फास्ट फूड चेन मैकडोनाल्ड के हैमबर्गर बिग मैक में मौजूद मात्रा के बराबर होता है।

एक दिन में कितना खाना चाहिए नमक?

विश्व स्वास्थ्य संगठन एक दिन में दो ग्राम से कम सोडियम सेवन की सिफारिश करता है जबकि ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के अनुसार, अनुशंसित सोडियम सेवन प्रतिदिन 2.3 ग्राम है। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूसीएफसी) के शोधकर्ताओं ने कहा कि हाल के वर्षों में, विशेष रूप से औद्योगिक देशों में, यह दीर्घकालिक त्वचा रोग आम हो गया है, जिसका अर्थ है कि इसमें पर्यावरण और जीवनशैली संबंधी कारकों (जैसे आहार) की भूमिका है। उन्होंने कहा कि सोडियम का सीमित सेवन एक्जिमा रोगियों के लिए बीमारी को नियंत्रित करने का एक आसान तरीका हो सकता है।

रोगियों को नहीं है पर्याप्त जानकारी

ये शोध द जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन (जेएएमए) डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित हुआ है। यूसीएसएफ में त्वचा विज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर और शोध के लेखकों में से एक कैटरीना अबुबारा ने कहा–रोगियों के लिए एक्जिमा के प्रकोप से निपटना कठिन हो सकता है, खासकर तब जब वे इसका पूर्वानुमान नहीं लगा पाते और उनके पास इससे बचने के लिए कोई सुझाव नहीं होता। शोध के लिए टीम ने यूके बायोबैंक से 30–70 वर्ष की आयु के दो लाख से अधिक लोगों के डेटा का उपयोग किया, जिसमें मूत्र के नमूने और इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड शामिल थे।

जिद्दी से जिद्दी पेट की चर्बी होगी दूर, इस तरह से पिएं लहसुन का पानी

आज के समय में फिट और हेल्थी रहना जरुरी है। भागदौड़ भारी लाइफस्टाइल के चलते गलत खानपान की वजह से पेट की चर्बी बढ़ने लगती है। पेट की चर्बी की वजह से कई बार आत्मविश्वास कम हो जाता है, वहीं खूबसूरती में भी रुकावाट बनती है। एक बार पेट चर्बी बढ़ जाए तो आसानी से नहीं खत्म होती। जिस वजह से कई बार हम सभी स्ट्रैस में आ जाते हैं, तो चिंता छोड़िए आज से ही लहसुन का पानी पीना शुरु कर दें, सेहत के साथ–साथ पेट की चर्बी भी होगी दूर।

लहसुन के पानी के फायदे

आयुर्वेद में लहसुन को सबसे बेहतरीन औषधि मानी जाती है। सेहत के लिए लहसुन का पानी पीना काफी फायदेमंद होता है। इससे मोटापे की समस्या भी दूर होती है। लहसुन में एंटीबैक्टीरियल, एंटीसेप्टिक, मैंगनीज, विटामिल बी6, विटामिन सी, सेलेनियम, फाइबर, कैल्शियम, कॉपर, पोटेशियम, आयरन आदि होता है, जो वजन घटाने में मदद करता है।

सेहत को मिलते हैं लाभ

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, लहसुन का पानी सुबह के समय पीने से कई चमत्कारिक फायदे मिलते हैं। इसके ने सेवन मात्र से ही कई कमाल दिखने लगते हैं। अगर आपको अपना वजन कम करना है तो लहसुन का पानी बहुत ही फायदेमंद साबित हो सकता है। खाली पेट लहसुन का पानी पीने से पेट की चर्बी को भी कम करने में मदद मिलती है।

इस तरह से पिएं लहसुन का पानी

दरअसल, लहसुन के फायदे ज्यादातर सभी जानते हैं, हालांकि कई लोग इसके सेवन का सही तरीका नहीं जानते हैं। पेट की चर्बी कम करने के लिए लहसुन को गर्म पानी में डालकर पीना चाहिए।

ओवरईटिंग से बचाव

अगर आप लहसुन का पानी पीते हैं, तो आपका पेट लंबे समय तक भरा रहेगा और आप खुद को ओवरईटिंग से बचा पाएंगे। जब आप अनहेल्दी चीजों को कम खाएंगे तो वजन अपने आप आसानी से कम हो जाएगा। वहीं, बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए लहसुन की ड्रिंक का सेवन करना सबसे बढ़िया है। लहसुन का पानी पीने से शरीर की सारी गंदगी बाहर निकल जाती है।

इसका ज्यादा सेवन न करें

गर्मी के दौरान याद रखें कि लहसुन का ज्यादा सेवन करने से बचना चाहिए। अगर आप ऐसा करेंगे तो स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपको पेट में गैस बनती हैं, तो उन्हें लहसुन कम खाना चाहिए। वरना पेट से संबंधित रोगों का सामना करने पड़ सकता है।

जीभी हिल स्टेशन की हसीन वादियों में 3 दिन के लिए बनाएं घूमने का प्लान, एक्सप्लोर करें शानदार जगहें

घूमना–फिरना आखिर किसे पसंद नहीं होता है। इसलिए जब भी लोगों को ऑफिस या काम से छुट्टी मिलती है, तो घूमने के शौकीन लोग ट्रिप प्लान करके घूमने निकल जाते हैं। जब भी किसी हसीन जगह पर घूमने की बात होती है, तो कई लोग हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में घूमने का प्लान बनाते हैं। आपको बता दें कि हिमाचल की हसीन वादियों में कई ऐसी खूबसूरत और मनमोहक जगहें मौजूद हैं, जहां पर गर्मी के मौसम में घूमने का अपना ही मजा होता है। हालांकि घूमने जाने से पहले अगर आपको उस जगह के बारे में पूरी जानकारी होती है, तो ट्रिप के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप दिल्ली से 3 जीभी घूमने का प्लान बना सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जीभी घूमने के बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं, जैसे आप कहां रुक सकते हैं, जीभी कैसे जाएं और यहां पर किन–किन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

ऐसे जाएं जीभी

दिल्ली से जीभी की हसीन वादियों में पहुंचना बहुत आसान है। दिल्ली से जीभी तक आप हवाई मार्ग, ट्रेन, बस या पर्सनल गाड़ी से भी जा सकते हैं।

हवाई मार्ग

जीभी का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा कुल्लू है। आप दिल्ली से पहले कुल्लू हवाई अड्डा जाएं। फिर लोकल टैक्सी या कैब लेकर जीभी की हसीन वादियों में पहुंच सकते हैं। कुल्लू हवाई अड्डे से जीभी की दूरी 60 किमी है।

ट्रेन मार्ग

जीभी का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन शिमला है। दिल्ली से बस पकड़कर कालका जाएं, फिर कालका से ट्रेन के जरिए शिमला पहुंचे। शिमला रेलवे स्टेशन से लोकल टैक्सी या कैब के जरिए आप जीभी पहुंच सकते हैं। शिमला से जीभी की दूरी 150 किमी है।

सड़क मार्ग

दिल्ली में स्थित कश्मीरी गेट से जीभी के लिए बसें चलती हैं। दिल्ली से शिमला के लिए बस पकड़ लें। फिर शिमला बस स्टैंड से लोकल बस लेकर जीभी की हसीन वादियों में पहुंच सकती हैं। बता दें कि दिल्ली में मजनू का टीला से भी जीभी के लिए बस चलती है।

कहां रुकें

जीभी हिमाचल का एक बेहद खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशन है। यहां पर अक्सर पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। यहां पर आपको रुकने के लिए होटल, रिसॉर्ट, विला और कॉटेज आजि आसानी से मिल जाएंगे।

अगर आप सस्ते में स्टे करना चाहते हैं, तो वाइल्डवुड होम, शाइनिंग स्टार होमस्टे, ट्री हब, मैडपैकर्स होटल और जंगल वैली जैसे होटल में रुक सकते हैं। इसके अलावा आप इकोर रिवरसाइड रिसॉर्ट्स, कैवल्य– लक्ज़री रिट्रेट या मंदुक्य विलास में रूम बुक कर सकते हैं।

इन जगहों को करें एक्सप्लोर

जीभी वॉटरफॉल

जीभी में स्थित जीभी वॉटरफॉल सबसे ज्यादा फेमस और लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यह वॉटरफॉल घने जंगलों के बीच में स्थित है और बेहद अद्भुद दृश्य प्रस्तुत करता है। बहुत सारे लोग गर्मी के मौसम में यहां पर वॉटरफॉल के नीचे नहाने के लिए पहुंचते हैं। वहीं बारिश के दिनों में इस वॉटरफॉल की खूबसूरती चरम पर होती है।

जालोरी दर्रा

जालोरी दर्रा जीभी से करीब 12 किमी की दूरी पर स्थित है। यह एक विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। यहां पर हर रोज हजारों देशी और विदेशी पर्यटक पहुंचते हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं है।

चन्नी फोर्ट

इसके अलावा आपको जीभी से कुछ दूरी पर स्थित चन्नी फोर्ट को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इस फोर्ट को लकड़ी के इस्तेमाल से बनाया जाता है। बताया जाता है कि यह फोर्ट 1500 साल पुराना है और इस फोर्ट के नीचे एक भूमिगत सुरंग भी है।

गर्मियों में ऐसे रखें अपनी सेहत का ख्याल, वरना बढ़ सकती है बीपी और ब्लड शुगर की समस्या

मई–जून के महीने में गर्मी अपने पूरे चरम पर है, हर रोज गर्मी का सितम बढ़ता जा रहा है। चिलचिलाती धूप और लू ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। इतनी भीषण गर्मी में लोगों का घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है। मौसम विभाग की मानें, तो गर्मी के तेवर अभी तीखे ही रहने वाले हैं। इसलिए इस मौसम में अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत है। खासकर गर्मी में हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज के मरीजों को अपनी सेहत के प्रति अधिक सावधान रहने की जरूरत है। क्योंकि जरा सी लापरवाही से गर्मी के मौसम में ब्लड शुगर तेजी से बढ़ सकता है। वहीं शरीर में पानी की कमी होने पर ब्लड शुगर पर तेजी से असर पड़ सकता है। गर्मी के मौसम में ब्लड प्रेशर और बढ़ने खतरा बना रहता है। ऐसे में जरूरी है कि आप शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन न बिगड़ने दें। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे है कि गर्मियों में हाई बीपी और शुगर के मरीजों को किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें खास ध्यान

हर रोज अपने ब्लड शुगर लेवल की जांच कराएं, जिससे कि शुगर लेवल को कंट्रोल किया जा सके।

गर्मी से बचने के लिए रोजाना नींबू पानी का सेवन करना चाहिए। इससे बीपी और ब्लड शुगर लेवल दोनों कंट्रोल में रहते हैं। आप चाहें तो नींबू पानी में चीनी और नमक मिला सकते हैं।

सिर्फ गर्मी ही नहीं बल्कि किसी भी मौसम में हेल्दी रहने के लिए मौसमी फल और सब्जियों का सेवन करते रहें। इससे हमें नेचुरल रूप से पानी मिलता रहता है और शरीर हाइड्रेट रहता है।

गर्मियों में टमाटर का सेवन फायदेमंद होता है। लेकिन किडनी की बीमारी वाले व्यक्तियों को टमाटर का सेवन नहीं करना चाहिए।

कई बार अधिक गर्मी की वजह से कमजोरी महसूस होने लगती है। तो ऐसे में आप सत्तू का सेवन कर सकते हैं। आप चाहें तो इसको बिना नमक या चीनी के पी सकते हैं।

गर्मियों में खुद को लू से बचाना बहुत जरूरी होता है। इसलिए लू से बचने के लिए जरूरी काम होने पर ही घर से निकले, लगातार पानी पीते रहें औऱ खुद को ढककर बाहर निकलें।

अगर आपको या आपके किसी जानने वाले को लू लग गई है, तो बिना देर किए डॉक्टर की सलाह लें। क्योंकि जरा सी लापरवाही से समस्या बढ़ सकती है।

पाचन तंत्र से लेकर आंखों की रौशनी तक को बढ़ाता है कटहल, जानें इसके फायदे

कटहल एक पौष्टिक गुणों से भरपूर सब्जी है। ये स्वादिष्ट होने के साथ–साथ हमारी सेहत को हेल्दी बनाने में भी मदद करती है। इसमें विटामिन बी जैसे की राइबोफ्लेविन, थियामिन के साथ ही मैग्नीशियम, पोटेशियम, कॉपर, मैंगनीज और फाइबर भी मौजूद होते हैं। हमारे शरीर के अलग–अलग फंक्शन्स के लिए ये सारे पोषक तत्व बेहद जरूरी होते हैं। ऐसे में हम आपको आज इसके फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे जान कर आप इसका सेवन आज से ही शुरू कर देंगे। तो आइए अब जानते हैं –

एनीमिया की बीमारी से रहेंगे दूर

खराब लाइफस्टाइल और गलत खान–पान की वजह से एनीमिया की बीमारी से कई लोग जूझ रहे होते हैं। ऐसे में कटहल को अपनी डाइट में शामिल करें। इसमें मौजूद विटामिंस, मिनरल्स कॉपर, मैग्नीज, मैंग्नीशियम, विटामिन ए, सी, ई होते हैं जो शरीर में खून बनाने का काम भी करती है। आयरन की कमी की वजह से ज्यादातर औरतें एनीमिया का शिकार हो जाती है. कटहल खाने से एनीमिया की परेशानी दूर हो जाएगी।

पाचन तंत्र रहता है स्ट्रांग

कटहल में अच्छी– खासी मात्रा में फाइबर मौजूद होता है। इसके सेवन से आंतों में गुड़ बैक्टीरिया की मात्रा बढ़ती है। ये बैक्टीरिया डाइजेस्टिव सिस्टम को स्ट्रांग और हेल्दी रखने का काम करता है और इम्यूनिटी को भी बूस्ट करता है। पाचन तंत्र के सही काम करने से शरीर से कई सारी बीमारियां दूर रहती हैं।

ब्लड शुगर लेवल रहता है कंट्रोल में

कटहल में फाइबर भरपूर मात्रा में मौजूद होता है, इससे पेट काफीव देर तक भरा हुआ रहता है और बल्ड शुगर लेवल भी कंट्रोल भी रहता है। इसके साथ ही इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी कम होता है, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए एक हेल्दी ऑप्शन है।

हार्ट रहता है हेल्दी

इसमें मौजूद फाइबर, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट दिल को हेल्दी रखते हैं और दिल से जुड़ी समस्याओं को भी काफी हद तक कम कर देते है।

आंखों को रखता है हेल्दी

कटहल में मौजूद बीटा कैरोटीन आंखों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद है। यह कॉर्निया की फंक्शनिंग में काफी मदद करता है।

स्किन भी बनती है ग्लोइंग

इसमें एंटीऑक्सीडेंट, एंटीएजिंग के साथ ही विटामिन सी की भी भरपूर मात्रा मौजूद होती है। ये दोनों पोषक तत्व त्वचा को हेल्दी रखने के लिए जरूरी होते हैं। साथ ही इसके सेवन से बढ़ती उम्र के असर को भी कम करती है।

ग्रीष्मकालीन नाट्य कार्यशाला में हमें भी चांद दे दो न नाटक का बच्चों ने किया रिहर्सल

ब्लू बेल स्कूल करेली में सर्वस्व लोक कल्याण स्वैच्छिक संस्था प्रयागराज द्वारा आयोजित 30 दिवसीय

प्रयागराज। ग्रीष्मकालीन नाट्य कार्यशाला में प्रसिद्ध नाट्य लेखक एवं नाटककार शैलेश श्रीवास्तव आलेखित नाटक हमें भी चांद दे दो न के माध्यम से प्रख्यात रंगकर्मी तेजेंद्र सिंह तेजू एवं वरिष्ठ रंग निर्देशक सुबोध सिंह

द्वारा नन्हे मुन्ने बच्चों को संवाद अदायगी, शुद्ध उच्चारण, वॉयस माड्यूलेशन सहित रंगमंच के सभी कार्यकलापों से परिचय कराया जा रहा है। तेजेन्द्र सिंह ष्तेजूष ने सूचित किया कि बाल नाटक ष्हमें भी चांद दो नष का मंचन अति शीघ्र करने का नियोजन है। प्रयागराज के जाने–माने कवि–कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा निवर्तमान कार्यकारिणी सदस्य राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश ने बच्चों के रिहर्सल की तारीफ करते हुए बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षा के साथ साथ बच्चों का मानसिक विकास व व्यक्तित्व विकास भी है।

हत्या के प्रयास/मारपीट के अभियोग से सम्बन्धित वांछित 01 अभियुक्त गिरफ्तार (थाना दिलीपपुर)

प्रतापगढ़ सपुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ श्री सतपाल अंतिल' के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा निरंतर अभियान चलाकर अपराधध्अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 'दिनांक 14.04.2024 को थाना दिलीपपुर से उ0नि0 श्री जगदीश प्रसाद वर्मा' मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्रध्तलाश वांछित वारण्टी अभियुक्त के दौरान मुखबिर

की सूचना पर थाना दिलीपपुर के 'मु0अ0सं0 42ध्24 धारा 147, 148, 149, 307, 308, 323, 504, 506, 286 427 भादवि' में अभियुक्त 1. 'नदीम अहमद पुत्र ताजूब अली नि0ग्राम खमपुर थाना दिलीपपुर जनपद प्रतापगढ़' को सराय गनई चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया।

'गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः–'

नदीम अहमद पुत्र ताजूब अली नि0 ग्राम खमपुर थाना दिलीपपुर जनपद प्रतापगढ़।

'पुलिस टीम–' उ0नि0 श्री जगदीश प्रसाद वर्मा मय हमराह थाना दिलीपपुर जनपद प्रतापगढ़।

गंभीर दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है -श्री प्रवीण कुमार तिवारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज

प्रयागराज। समेकित शिक्षा के अंतर्गत जनपद प्रयागराज में सत्र 2024 –25 में विद्यालय आने –जाने में असमर्थ दिव्यांग बच्चों को शिक्षा के मुख्य धारा से जोड़ने के लिए एस्कॉर्ट्ध स्टाइपेंड उपलब्ध कराया जाता है स एस्कॉर्ट अलाउंस हेतु दृष्टि बाधित, बौद्धिक दिव्यांग, सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को जिनका मेडिकल बोर्डध् सक्षम चिकित्सा अधिकारी द्वारा दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किया गया हो, को ध्600 प्रति माह की दर से 10 माह के लिए कुल ध्6000 विद्यालय आने–जाने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा स साथ ही ऐसे विशिष्ट आवश्यकता वाली छात्राएं जो परिषदीय विद्यालय में नामांकित हो जिनका मेडिकल बोर्ड ध् सक्षम चिकित्सा अधिकारी द्वारा निर्गत न्यूनतम 40ः कर दिव्यांगता प्रमाण पत्र हो को रुपया 200 प्रतिमाह की दर से 10 माह के लिए कुल ध्2000 स्टाइपेंड (स्टाइपेंड) उपलब्ध कराया जाएगा स स्कॉट ध्स्टाइपेंड अलाउन्स हेतु चिन्हित बच्चों को धनराशि अभिभावक के खाते में क्ठ्ज के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा स जिला समन्वयक समेकित शिक्षा श्री विकास पांडे ने बताया कि जनपद से 610 स्टाइपेंड एवं 310 स्कॉट अलाउंस दिव्यांग बच्चों को दिए जाने का लक्ष्य निश्चित है, जिसकी प्रक्रिया डीबीटी के माध्यम से पूर्ण कराई जा रही है स गंभीर दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए स्कॉट अलाउंस एवं स्टाइपेंड दिए जाने हेतु कार्यवाही डीबीटी के माध्यम से कराई जा रही है, जो बच्चों के लिए बहुत ही सार्थक होगा।

प्रेरणा ने हिंदी सेवियों को सम्मानित किया

प्रतापगढ के शिव शंकर तिवारी सेहगौरा को हिंदी सेवी सम्मान 2024

जबलपुर। प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा हिंदी प्रचार प्रसार के साथ विभिन्न क्षेत्रों में प्रेरणादायक कार्य कर रहे पत्रकार, शिक्षाविद, कलमकार व समाजसेवियों को निरंतर सम्मानित करने का काम कर रही है जिससे समाज में नव जागृति पैदा हो और इस दिशा में लोगों को काम करने की प्रेरणा मिल सके। डॉ

गुंडाल विजय कुमार, प्रदीप मिश्र अजनबी, डॉ हरेंद्र हर्ष, डॉ लाल सिंह किरार के सतत प्रयासों से प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा अपने हिंदी प्रचार का काम कर रही है और इन कार्यों के दौरान समाज के हर वर्ग से संवाद भी बनाए हुए हैं जिससे भविष्य में और बेहतर किया जा सके। कवि संगम त्रिपाठी संस्थापक प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा ने बताया कि हिंदी सेवी सम्मान 2024 – शिव शंकर तिवारी ष्सेहगौराष प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश, श्री प्रभात वर्मा पटना बिहार, डॉ शिप्रा मिश्रा बेतिया बिहार, सरस्वती मलिक मधुबनी बिहार व डॉ मनीष कुमार चौरसिया भागलपुर बिहार। हिंदी प्रेमी सम्मान 2024 – मधुसूदन आत्मीय मुंगेर बिहार, हिंदी भक्त सम्मान 2024 – गोपाल दास गुप्ता रायसेन मध्यप्रदेश। शिक्षाविद सम्मान 2024 – नवनीता दुबे ष्नूपुरष मंडला मध्यप्रदेश व वीरेन्द्र कुमार दुबे जबलपुर मध्यप्रदेश को प्रदान किया गया है।

प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा के प्रेरणा स्त्रोत डॉ धर्म प्रकाश वाजपेयी, डॉ शिवशरण श्रीवास्तव अमल, राजकुमारी रैकवार राज, संतोष कुमार पाठक, बिनोद कुमार पांडेय आदि ने बधाई दी है।

मोंचन धाम मिश्रदयालपुर का प्राचीन विख्यात सिद्ध हनुमान मन्दिर सौन्दरीकरण की कर रहा है

प्रयागराज। प्रतापगढ़ जनपद के कुण्डा तहसील क्षेत्र के थाना हथिगवां अन्तर्गत ग्राम

मिश्रदयालपुर हनुमान नगर गांव में स्थित प्राचीन प्रसिद्ध विख्यात पीठ सिद्ध – संकट मोंचन धाम हनुमान मन्दिर पर विश्व कल्याण अमन – चैन सुख शान्ति मंगलमय सबकी रक्षा के लिए हनुमान जी धाम के पुजारी तपस्वी महात्मा बालयोगी जी महराज के नेतृत्व पर निरू स्वार्थ भाव से पचास वर्ष पूर्व से अखण्ड कठिन हनुमत उपासना प्रत्येक मंगलवार को दर्शन पूजा हवन पूजन अरजी महा प्रसाद वितरण जारी है।वही हनुमत दरबार पर हनुमान जी महाराज का विशेष पूजा समारोह महा दर्शन हनुमान जी महराज का दिव्य दरबार में दुखियों की अरजी 18 जून 2024 मंगलवार प्रातःकाल से वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच जाप सामूहिक सीता राम संकीर्तन,सुन्दर काण्ड पाठ श्री हनुमान महिमा,बजरंग बाण,श्री हनुमान चालीसा, श्री देवी चालीसा पाठ,रक्षा कवच,कथा,हवन पूजन सत्संग समागम् के उपरान्त दस बजे दिन से चार बजे दिन तक अद्भुत हनुमत दर्शन पूजन दुखियों की अरजी महा आरती व महाप्रसाद का वितरण होगा। इस दौरान हनुमत दरबार पर दर्शन पूजन करने दूर – दराज से श्रद्धालु नर – नारी भक्तों ने हनुमान मन्दिर पर समयानुसार हनुमत पूजा में शामिल होकर अपनी मनोरथ पूर्ती व अनेकों प्रकार के संकट कष्ट रोग व्याधि बाधा बीमारी निवारण के लिए हनुमत दरबार पर अपनी मांथा टेक मनवांछित फल प्राप्ति के लिए अरजी लगाकर हनुमान जी महराज का आशीर्वाद व महा प्रसाद ग्रहण करेंगे। दरबार में केवल दर्शन पूजन सत्संग समागम् से सबका कल्याण हो रहा है। वही हनुमान जी महराज का दरबार इन्टीरियल साधन सुविधा विहिन जगह में होने के बावजूद भी हनुमत चमत्कार से दूर दूर तक मशहूर हो गया है। जो भी नर नारी श्रद्धालु श्रद्धा विश्वास के साथ दरबार में आता है। रोते आता है तो हँसते लौटता है श्रद्धा विश्वास से की गई पूजा अकारथ नही जाती है। श्रद्धालुओं के जीवन में प्रत्यक्ष चमत्कार दिखाई पडता है। वही हनुमत दरबार आज भी शासन प्रशासन की ओर से उपेक्षा का शिकार बना है। प्राचीन हनुमान मन्दिर सौन्दरीकरण की बाँट जोह रहा है।

रामधारी सिंह दिनकर की यादें बयां करती सिमरिया

सिमरिया से लौटकर डॉक्टर प्रदीप चित्रांशी

. भारतीय धर्मों के उपासना स्थल को जिस तरह से मंदिर कहा जाता है,उसी प्रकार जिस जगह पर साहित्य साधक साहित्य–साधना में लिप्त होकर सरस्वती की कृपा से साहित्य का सर्जन करता है,वह स्थान साहित्यानुरागियों के लिए दर्शनीय एवं पूज्यनीय हो जाता है क्योंकि वहाँ पर गंगा की निर्मल धारा की तरह गीत,गजल,

कविता,कहानी एवं उपन्यास की धाराएं समाज की पीड़ा को अपने अंतस में समाए,समाज को सही दिशा दिखाते हुए,अनवरत बहती रहती है इसी साहित्यिक तीर्थ का दर्शन कर युवा साहित्यकार शब्दों की गंगा का प्रसाद ग्रहणकर, भावो के सागर में नहाता है। हर कलमकार की तरह मैं भी इन साहित्यिक तीर्थ पर जाकर उस साहित्य का दर्शन करना चाहता था जिसने भक्तिकाल के समय सूर, कबीर, तुलसी से परिचय करवाया और आजादी के समय हर भारतीयों की हिम्मत और आवाज बनी। आज भी वह समाज को सही राह पर चलने को प्रेरित करती रहती है इस बात में कितनी गहराई है इसकी अनुभूति उन्हीं साहित्यकारों को होती है जो उनके जन्मस्थान पर जाते हैं। कुछ वर्ष पूर्व एक साहित्यिक कार्यक्रम में मुझे भी बिहार प्रान्त के बेगूसराय जिला में जाने का सुअवसर मिला। इसी जिला में गंगा के किनारे सिमरिया नामक एक गाँव है जहाँ राष्ट्रीय भाव से जनमानस की चेतना को नई स्फूर्ति प्रदान करने वाले राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जी का जन्म हुआ था। बेगूसराय में साहित्यिक पत्रिका ष्समय सुरभि अनंत ष् के संपादक नरेंद्र कुमार सिंह के घर पर मेरा ठहरना हुआ।दो दिन तक चलने वाले साहित्यिक कार्यक्रम से फुरसत पाने के बाद तीसरे दिन सिमरिया चलने का कार्यक्रम तय हुआ।

तीसरे दिन हम लोगों की सवारी राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जी की जन्मस्थली सिमरिया गाँव की ओर चल पड़ी। उनके नाम के अनुरूप सिमरिया गाँव की भी बात निराली है। यहाँ प्रवेश करते ही यहाँ की हवाएँ, दरो–दीवार और हरे–भरे वृक्षों से मुझे ऐसा प्रतीत हुआ कि वे दिनकर जी की कविता का पाठ कर रहे हैं। थोड़ी देर में नरेंद्र भाई की स्कूटी एक पुराने मकान के सामने रुकी। पत्रकार प्रवीन प्रियदर्शी और दिनकर जी के छोटे भाई के पोते से मेरी मुलाकात हुई। उन्होंने ही बताया कि दिनकर जी का यह पुराना मकान है हमलोग दिनकर जी पर चर्चा कर ही रहे थे,उसी समय तेरह– चौदह वर्ष का बच्चा चाय लेकर आया। हमलोगों को चाय पकड़ाते हुए बोला,

स्थापलोगों को मैं दिनकर जी की कविता सुनाता हूँ यह कहकर उसने चार–पाँच कविताएँ सुना दीं।ष कविता सुनते–सुनते हमलोग दिनकर जी के नए घर पर आ गए। नए घर में उनके परिजनों ने उनकी प्रत्येक चीजों को बहुत करीने से सजाकर रखा है,यह देखकर बहुत अच्छा लगा। घर के अन्दर ही एक कुँआ था,जिसका पानी दिनकर जी पिया करते थे।दिनकर के भाई ने पूरे घर को बहुत ही करीने से दिखाने के बाद, हम लोगों को गुड़ खिलाकर पानी पिलाया। पानी पिलाने के बाद उन्होंने कहा कि दिनकर जी देश,समाज और साहित्य के प्रति समर्पित होने के साथ ही साथ परिवार के प्रत्येक सदस्यों का ख्याल रखते थे। उन्होंने भाइयों की बेटियों की भी शादियाँ अपने ही बच्चों की तरह पढ़े–लिखे और संस्कारयुक्त परिवारों में करके, पारिवारिक रिश्तों के मिठास की थ्योरी क्या होती है, बिना कहे सबको समझा गए।दिनकर जी के भाई से जाने की अनुमति लेने के बाद हमलोग गाँव घूमने निकल पड़े। गाँव घूमते समय वहाँ के लोगों से दुआ–सलाम करते हुए दिनकर जी पर चर्चा करने का सुअवसर भी नहीं मिला बल्कि आज भी उनके दिल में दिनकर जीते हैं। उन्हें उनपर गर्व है कि वे उनके गाँव के हैं। इसका जीता–जागता उदाहरण है कि गाँव के प्रत्येक घर के मुख्य द्वार की दीवार पर दिनकर की रचना का होना। यहाँ के लोगों को दिनकर की कविता ही नहीं याद है बल्कि बाबा,दादा,एवं पिता के साथ दिनकर के बिताए गए पल, उनके संस्मरणों में आज भी जीवित हैं।

यहाँ से हमलोग दिनकर पुस्तकालय और दिनकर समागार गए। पुस्तकालय को मैंने अपनी पुस्तक भेंट की तथा पुस्तकालय का अवलोकन कर स्वयं को दिनकर के साहित्य–संसार से जोड़ने का प्रयास करने लगा।यहाँ पर उनकी किताबों का विशाल भंडार देखने को मिला जिसमें रेणुका,हुंकार, रसवन्ती, सामधेनी, कुरुक्षेत्र, उर्वशी और रश्मिरथी आदिक का अवलोकन करने का अवसर मिला।

रेणुकारू इस कृति में अतीत के गौरव के प्रति कवि का आदर–भाव तथा वर्तमान की नीरसता से दुखी मन की वेदना का परिचय मिलता है।

हुंकाररू इस काव्य रचना में वर्तमान दशा के प्रति आक्रोश व्यक्त हुआ है।

रसवन्तीरू इस रचना में सौन्दर्य का काव्यमय वर्णन हुआ है।

सामधेनीरू इसमें सामाजिक चेतना ,स्वदेश प्रेम तथा विश्व–वेदना सम्बन्धी कविताएँ संकलित महाभारत के शान्ति–पर्व के कथानक को आधार बनाकर वर्तमान परिस्थितियों का चित्रण किया गया है।

उर्वशी,रश्मिरथी रू इन दोनों काव्य–कृतियों में विचार तत्व की प्रधानता है।

दिनकर जी की गद्य रचनाओं में उनका विराट ग्रंथ ष्संस्कृति के चार अध्यायष के साथ उनके द्वारा लिखे गए कई संस्मिरणात्मक ग्रंथ भी पुस्तकालय में देखने को मिले। तत्पश्चात हमलोग दिनकर समागार गए। जहाँ पर नरेन्द्र भाई की ओर से काव्य–गोष्ठी आयोजित हुई, जिसमें स्थानीय लोगों ने भी भाग लिया। स्थानीय लोगों ने दिनकर पर ही चर्चा की और उन्हीं के गीतों को काव्य गोष्ठी में सुनाया। उनका अभिवादन और दिनकर जी के प्रति आदर सम्मान देखकर, लोक संस्कृति पर डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी की बात याद आ गई, जिसका सार है– ज्ञान, अनुभव, श्रुति और परम्परा से चलती है ज्ञान का आधार पोथी नहीं होती।

शाम सात बजे नरेन्द्र जी के साथ सिमरिया भ्रमण से लौटते समय ऐसा लग रहा था कि दिनकर जी की धरती ने मेरे दिल को इतना प्रभावित किया कि शरीर शहर की ओर जा रहा है लेकिन दिल वापस जाने को तैयार नहीं क्योंकि मानवीय सम्बन्धों के विज्ञान को दिनकर जी की दृष्टि से समझना चाहता था जिसमें मानवीय सम्बन्धों में आपसी प्रेम भावना के साथ एक दूसरे के प्रति दया भावना निहित हो जो प्रेम से सबकी इज्जत करके सबके साथ रिश्ता बनाकर सदैव उर्जित करता रहे, वही मानव समाज में महान,ज्ञानी और विद्वान कहलाने का हकदार होता है।

जलकल विभाग नगर निगम द्वारा शासनादेश का उल्लंघन करके नियम विरुद्ध जलकर जल मूल वसूले जाने के संबंध में ज्ञापन

प्रयागराज। आज दिनांक 14 मई दिन शुक्रवार को 11रू00 बजे व्यापारी एकता समिति के

प्रदेश अध्यक्ष विजय गुप्ता के नेतृत्व में एक व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल खुसरो बाग स्थित जलकर विभाग नगर निगम महाप्रबंधक के नाम ज्ञापन महाप्रबंधक के अनुपस्थिति में अधिशासी अभियंता आशीष कुमार यादव को सोपा स

महामंत्री प्रमिल केसरवानी ने कहा कि जलकर विभाग द्वारा जी0 आई0 अस0 सर्वे के आधार पर भी टी वर्ष 2022– 23 से बढ़ाए गए गृह कर मूल्यांकन के आधार पर वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024– 25 में हाउस टैक्स की तरह बैक ईयर द्वितीय वर्ष 22 –23 से बकाया दिखाकर भवन स्वामियों से ब्याज सहित जलकर और जलमूल्य की वसूली उन भवन स्वामियों से ली जा रही है जिन भवन स्वामियों ने जलकर विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2023 –24 में निर्धारित गृहकर मूल्यांकन का आधार पर अपना अपना जलकरध् जलमूल्य जमा कर दिया था उन भवन स्वामियों से शासनादेश के विरोध पूर्ववर्ती तिथि वॉटर टैक्स वसूला जा रहा है जबकि प्रयागराज नगर निगम में नियम विरुद्ध तरीके से कई वर्षों तक जलकल विभाग द्वारा गृह मूल्यांकन का 7रू30 प्रतिशत अधिक वॉटर टैक्स लिए जाने का साक्ष्य शासनादेश स्पष्ट प्रावधान किया गया है सवित्त वर्ष 2023 तक वॉटर टैक्स में किसी भी तरीके की वृद्धि नहीं की जाएगी किंतु उपरोक्त शासनादेश नजरअंदाज करते हुए जलकर विभाग वित्तीय 2023 2024 में जिन भवन स्वामियों ने वॉटर टैक्स जमा कर चुके हैं सउन भवन स्वामियों से पूर्ववर्ती तिथि बैक ईयर की योर्स 2022–23 से बढ़े मूल्यांकन के अनुसार ब्याज सहित वॉटर टैक्स वसूला जा रहा है जो विधि विरुद्ध है। कृपया आप उपरोक्त तथ्यों को संज्ञान में लेकर जनहित में 2024 –25 में नियमानुसार वॉटर टैक्स वसूला जाए।

श्री विजय गुप्ता ने कहा कि स्लैब आधारित जलमूल्य के स्थान पर नगर निगम अधिनियम 19 के उपखंड 2 के अनुसार नगर निगम सदन प्रयागराज में लिए गए निर्णय के अनुसार सभी भवन स्वामियों से एक समान वॉटर टैक्स ग्राम मूल्यांकन का 12.50 परिषद वॉटर टैक्स लेने का निर्णय का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए जिन भवन स्वामियों का वॉटर टैक्स का बिल जेनरेट जलकर विभाग में सो नहीं हो रहा है उन भावनाओं का वॉटर टैक्स का बिल जनरेट करने की व्यवस्था सिख कराई जाए।

विकास अग्रहरि, विपिन गुप्ता ,अभिलाष केसरवानी ने संयुक्त रूप से मांग की है कि नगर निगम की सीमा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बहादुरगंज, मुट्ठीगंज, राजापुर ,गंगानगर सहित सभी मोहल्ले में व्याप्त लो प्रेशर पेयजल संकट तथा प्रदूषित पेयजल आपूर्ति की समस्या का निदान करके एक पाइप लाइन से बिना टुल्लू पंप चलाएं शुद्ध पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ज्ञापन देने वालों में सचिन गुप्ता अनिल सोनकर सोनू केसरवानी व्यापारी गण शामिल है।

संक्षिप्त

विधवा पेंशन के लाभार्थी अपने खाते का बैंक से आधार सीडिंग (एनपीसीआई) अपडेट करायें

प्रतापगढ़। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन (विधवा पेंशन) योजनान्तर्गत लाभार्थियों के भुगतान आधार बेस्ड प्रणाली के अन्तर्गत किया जायेगा। उन्होने विधवा पेंशन योजना के समस्त लाभार्थियों से अनुरोध किया है कि जिन लाभार्थियों के बैंक खाते में आधार सीडिंग (एनपीसीआई) नहीं हुआ है वे अपने खाता का बैंक से आधार सीडिंग (एनपीसीआई) अपडेट कराना सुनिश्चित करें जिससे पेंशन का भुगतान आसानी से कराया जा सके।

विद्युत उपखण्ड अधिकारी से विवाद के प्रकरण में 01 अभियुक्त गिरफ्तार (थाना फतनपुर)

प्रतापगढ़। थाना फतनपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पूरे गोसाई सुर्वसा' में विद्युत उपखण्ड अधिकारी से विवाद के प्रकरण में थाना फतनपुर में प्राप्त तहरीर के आधार पर 'मु0अ0सं0 115ध्24 धारा 147, 332, 353, 504, 506, 427 भादवि' का अभियोग पंजीकृत किया गया था।

'पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ श्री सतपाल अंतिल के निर्देशन में आज दिनांक 14.06.2024 को प्रभारी निरीक्षक थाना फतनपुर श्री अभिषेक सिरोही के नेतृत्व में 'उ0नि0 श्री प्रांशु कुमार राय मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्रध्विवेचना के दौरान' मुखबिर की सूचना पर 'मु0अ0सं0 115ध्24 धारा 147, 332, 353, 504, 506, 427 भादवि' से संबंधित 01 अभियुक्त 'आजाद तिवारी पुत्र श्रीकान्त तिवारी निवासी चन्देलेपुर थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ़' को थाना फतनपुर क्षेत्रान्तर्गत गीतानगर नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया।

'मुकदमा उपरोक्त में धारा 364 भादवि की बढ़ोत्तरी की गई है।'

'गिरफ्तार अभियुक्त का नाम–'

आजाद तिवारी पुत्र श्रीकान्त तिवारी निवासी चन्देलेपुर थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ़।

'पुलिस टीम –' उ0नि0 श्री प्रांशु कुमार राय मय हमराह का0 सुजीत यादव थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ़।

शोसल आडिट टीम का पांच दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रतापगढ़। जनपद के क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम

कोठी में शोसल आडिट टीम के प्रतापगढ केएक विकास खण्ड मान्धाता व कौशांबी केआठ विकास खण्ड का पांच दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ स

शोसल आडिट टीम के प्रशिक्षण में स्टेट मास्टर ट्रेनर बी के सिंह व द्वारा प्रतियोगियों को शोसल आडिट के गुर सिखाए गए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के सत्र प्रभारी प्रवीण शुक्ल,आचार्य मंजू डी सैक डॉ असित कुमार सिंह रहे

इस प्रशिक्षण में दोनो जनपदों के कुल 72प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

जिलाधिकारी ने राजस्व प्रशासन एवं कर–करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की,

तहसीलों में आपदा से सम्बन्धित प्रकरणों को लम्बित न रखें समय से रिपोर्ट भेजवायें–जिलाधिकारी

राजस्व वादों का निस्तारण समय सीमा के अन्दर किया जाये–जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में राजस्व प्रशासन एवं कर–करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने विद्युत देय, खनन, आबकारी, परिवहन विभाग, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, बाट–माप, वन, मण्डी, वाणिज्य कर सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान पाया गया कि वाणिज्य कर, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, विद्युत देय

एवं नगर निकायों की राजस्व वसूली ठीक नही पायी गयी जिस पर जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली की प्रगति में तेजी लाने का निर्देश दिये। उन्होने कहा कि आर0सी0 का मिलान सम्बन्धित विभाग द्वारा समय कर लिया जाये। उन्होने नगर पालिका परिषद बेल्हा एवं नगर पंचायतों के ईओ को निर्देशित किया कि दुकानों में पालीथीन को प्रतिबन्धित किया जाये। सिंचाई विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया गया कि नहरों में 19 जून तक पानी अवश्य पहुँच जाये। औषधि प्रशासन के अधिकारी को निर्देशित किया कि मेडिकल स्टोरों पर नकली दवाओं व नशीले पदार्थो पर प्रतिबन्ध लगाया जाये और मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण किया जाये। बाट–माप अधिकारी को निर्देशित किया कि पेट्रोल पम्पों की समय–समय पर जांच की जाये जिससे यह पता चल सके डीजल एवं पेट्रोल को मानक के अनुसार दिया जा रहा है या नहीं। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि जून माह में एन्टी भू–माफिया की बैठक करके रिपोर्ट भेजी जाये और भू–माफियाओं के विरूद्ध कार्यवाही की जाये। किसी भी गरीब, असहाय लोगों को परेशान कदापि न किया जाये इसका विशेष ध्यान दें। उन्होने कहा कि स्वामित्व योजना की स्थिति जनपद में ठीक नही है इसकी प्रगति में सुधार लाया जाये। राजस्व वादों का निस्तारण समय सीमा के अन्दर किया जाये, धारा–80 के प्रकरणों का निस्तारण निर्धारित समयावधि के अन्तर्गत किया जाये, आईजीआरएस पोर्टल पर जो भी शिकायतें आ रही है उसका निस्तारण निर्धारित समयावधि एवं गुणवत्तायुक्त किया जाये, शिकायतें किसी भी दशा में डिफाल्टर न होने पाये। तहसीलों में लेखपालों की बैठक अवश्य करायी जाये, हर एक प्रार्थना पत्र समीक्षा जो जिससे शिकायतों का निस्तारण समय से किया जा सके। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में यदि कोई भी जमीनी विवाद के प्रकरण की घटना घटित होने सम्बन्धी शिकायत आयी तो सम्बन्धित के विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाये। बैठक में आपदा विशेषज्ञ अनुपम शेखर तिवारी ने अवगत कराया कि सम्बन्धित तहसीलों में आपदा से सम्बन्धित प्रकरण लम्बित रहते है, उपजिलाधिकारियों द्वारा समय से रिपोर्ट नही प्रस्तुत की जाती है जिससे आपदा से ग्रसित व्यक्तियों को लाभ नही मिल पाता जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि आपदा से सम्बन्धित जो भी प्रकरण हो उसकी रिपोर्ट उसी दिन भेजवाया जाये जिससे आपदा ग्रसित व्यक्ति को लाभ समय से मिल सके।

अपुलिया में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दक्षिणी इटली के अपुलीया में जी7 शिखर सम्मेलन से इतर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। पोप के द्विपक्षीय वार्ता के लिए प्रधानमंत्री से मिलने की भी उम्मीद है। पीएम मोदी की बोर्गो एग्नाज़िया रिसॉर्ट में विश्व के अन्य नेताओं के साथ कई बैठकों की योजना है। जी7 लोकतंत्र रूस की सैन्य कार्रवाइयों के चीन के कथित समर्थन पर साझा प्रतिक्रिया की भी तलाश कर रहे हैं, जिसके बारे में अमेरिका का कहना है कि इससे यूक्रेन में युद्ध बिगड़ रहा है। जापानी सरकार के एक सूत्र ने एएफपी को बताया, जी7 देश इस बात पर सहमत हैं कि चीन से कैसे निपटा जाए। यह बैठक चीन और पश्चिम के बीच व्यापार संबंधों के खराब होने के बीच हो रही है। उदाहरण के लिए, यूरोपीय संघ ने हाल ही में चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों पर नए टैरिफ की घोषणा की है। अमेरिका, जापान और यूरोपीय संघ, जो अनौपचारिक आठवें सदस्य के रूप में ळ7 शिखर सम्मेलन में शामिल होता है, सभी चीन की औद्योगिक अतिक्षमता से चिंतित हैं। उनका कहना है कि बीजिंग की बड़ी सब्सिडी, विशेष रूप से हरित ऊर्जा और सौर पैनल और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसी प्रौद्योगिकी में, बहुत सस्ते उत्पादों को जन्म देती है जो वैश्विक बाजार में बाढ़ ला देते हैं। इटली के प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने गुरुवार को ळ7 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं का शनमस्तेश के साथ स्वागत किया। मेलोनी के हावभाव के वीडियो, जहां उन्होंने जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन का हाथ जोड़कर स्वागत किया, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

जी7 नेता इटली में हुए एकत्र, दुनिया को AI खतरे के बारे में आगाह करेंगे पोप फ्रांसिस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी7 शिखर सम्मेलन के 'आउटरीच सत्र' में शिरकत करने के लिए अपुलिया पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को वैश्विक नेताओं के साथ व्यापक मुद्दों पर द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने हवाई अड्डे से एक वीडियो संदेश में कहा कि भारत के प्रधानमंत्री जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए इटली के ब्रिंडिसी हवाई अड्डे पहुंचे। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी तब आई जब वह जी7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में भाग लेने के लिए दक्षिणी इटली के अपुलिया पहुंचे।

पोप फ्रांसिस जी7 शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे

पोप फ्रांसिस कृत्रिम बुद्धिमता यानी आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (एआई) से भलीभांति वाकिफ हैं लेकिन उनकी चिंता एआई के तेजी से बढ़ते दायरे को लेकर है और इसीलिए वह इस मुद्दे को जी7 शिखर सम्मेलन जैसे विशाल मंच पर रखने जा रहे हैं। पिछले वर्ष पोप फ्रांसिस की एक डीपफेक तस्वीर प्रसारित हुई थी, जिसमें वह एक सफेद रंग की मोटी जैकेट पहने हुए नजर आए थे। पोप फ्रांसिस दक्षिणी इटली में होने वाले इस वार्षिक सम्मेलन में जी7 नेताओं को संबोधित करेंगे। फ्रांसिस इस सम्मेलन को संबोधित करने वाले पहले पादरी होंगे। पोप इस अवसर का उपयोग उन देशों और वैश्विक निकायों के साथ मिलकर करना चाहते हैं, जो ओपनएआई के चौटजीपीटी चौटबॉट द्वारा शुरू किए गए जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल के बाद एआई के सिलसिले में मजबूत सुरक्षा उपायों पर जोर दे रहे हैं।

जी7 नेता यूक्रेन के प्रभुत्व वाली वार्ता के लिए इटली में एकत्र हुए

वैश्विक और राजनीतिक उथल–पुथल की पृष्ठभूमि में ळ7 के धनी देशों के नेता इस सप्ताह दक्षिणी इटली में एकत्रित हो रहे हैं, जिसमें यूक्रेन के लिए समर्थन बढ़ाना एजेंडे में सबसे ऊपर है। वैश्विक और राजनीतिक उथल–पुथल की पृष्ठभूमि में ळ7 के धनी देशों के नेता इस सप्ताह दक्षिणी इटली में एकत्रित हो रहे हैं, जिसमें यूक्रेन के लिए समर्थन बढ़ाना एजेंडे में सबसे ऊपर है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और जापानी प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा 13–15 जून के शिखर सम्मेलन के लिए पुगलिया में बोर्गो एग्नाज़िया के लक्जरी रिसॉर्ट में जाने वाले सात नेताओं के समूह में शामिल हैं। शिखर सम्मेलन एक संवेदनशील समय में हो रहा है, जब यूक्रेन और गाजा में युद्ध छिड़ा हुआ है और बिडेन, मैक्रॉन और ब्रिटेन के ऋषि सुनक सभी अगले कुछ महीनों में चुनाव में जाने वाले हैं।

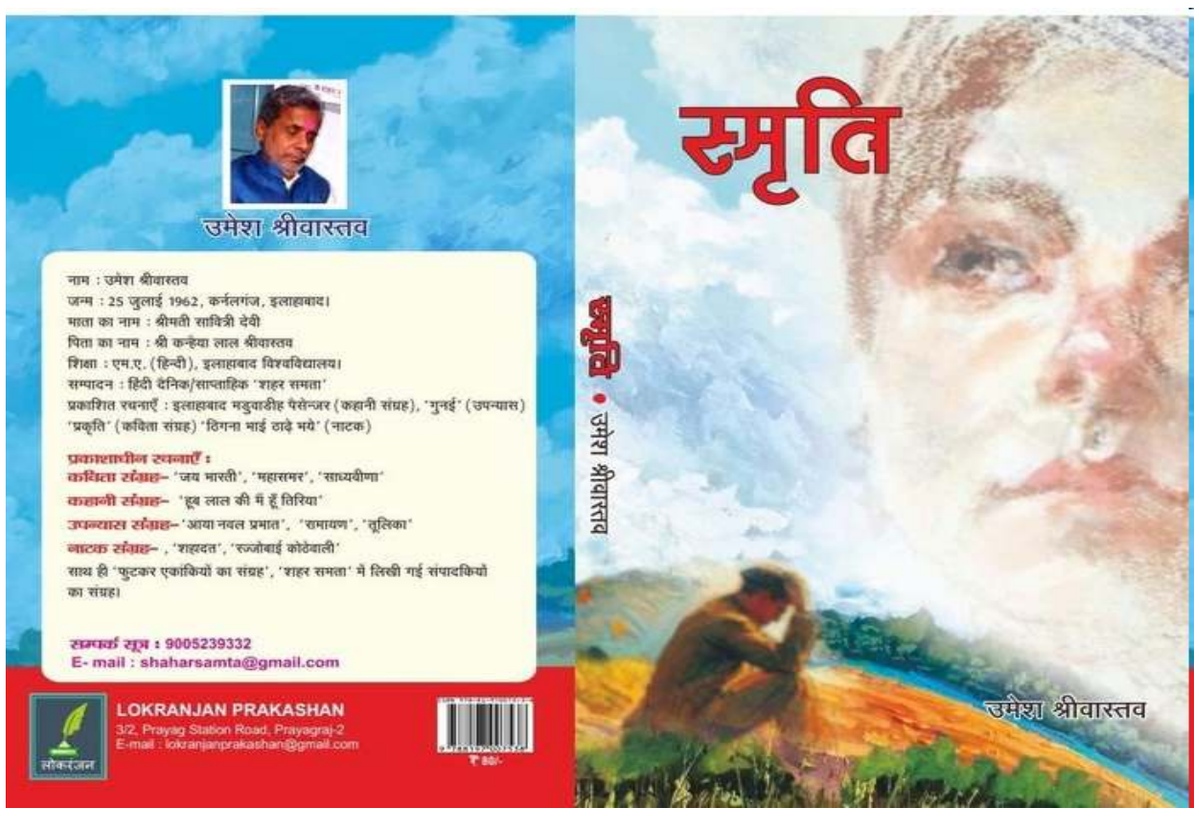

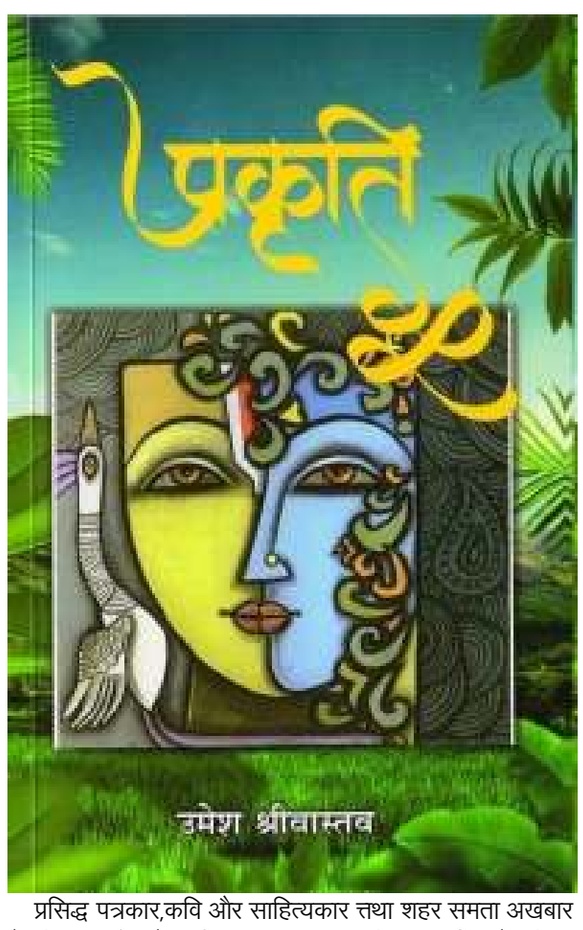

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष् लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

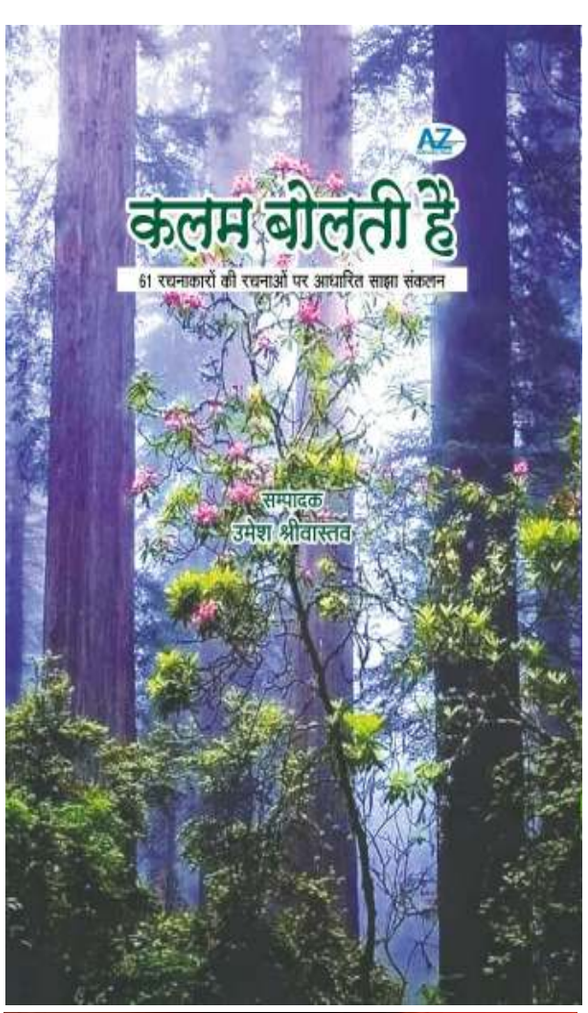

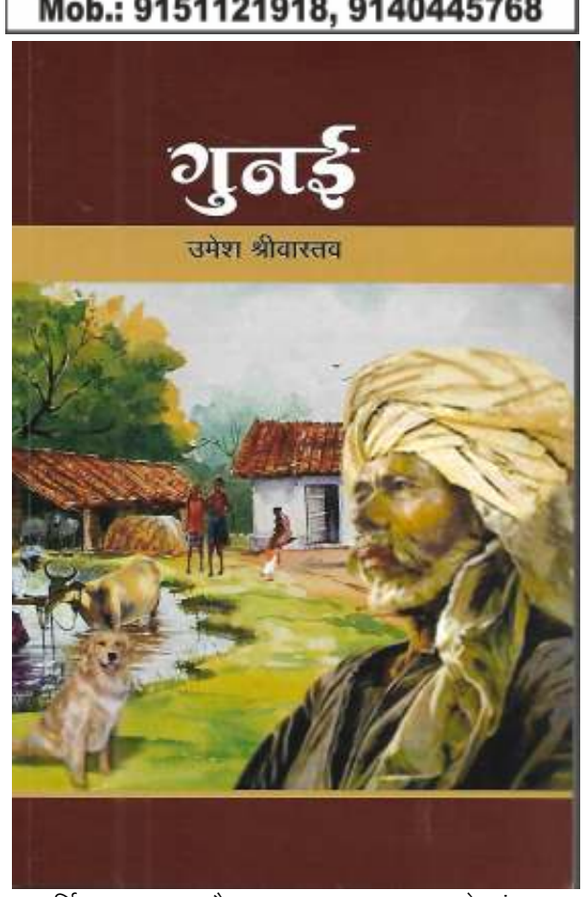

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

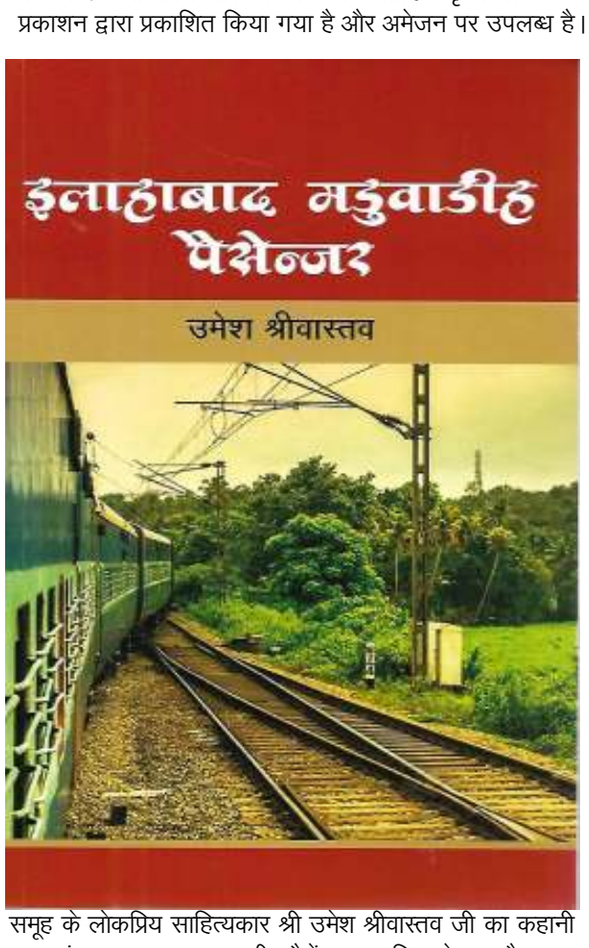

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

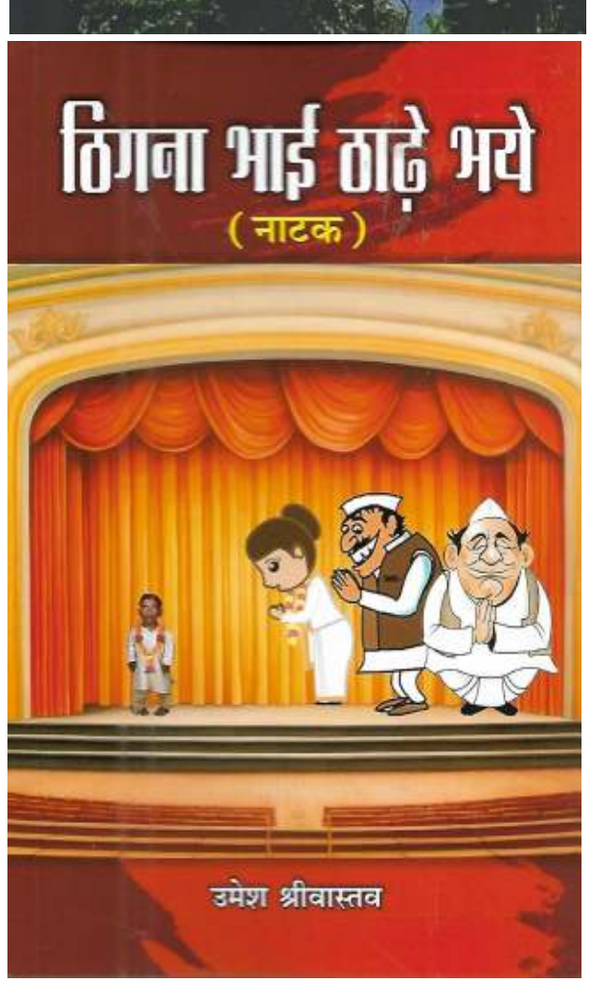

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

कुवैत आग : मृतकों में 45 भारतीय, 3 फिलिपिनो की पहचान, अधिकारी तुरंत घटना की जांच करेंगे

कुवैती अधिकारियों ने मंगफ की एक इमारत में लगी भीषण आग से मृत शवों में से 45 भारतीयों और तीन फिलिपिनो की पहचान की है, जहां 196 प्रवासी कामगार रहते थे। आग में कम से कम 49 प्रवासी श्रमिक मारे गए और 50 अन्य घायल हो गए। देश ने पीड़ितों के शवों को वापस लाने में अपना पूरा समर्थन देने की पेशकश की है और घटना की शीघ्र जांच करने का वादा किया है। अरब टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान प्रथम उप प्रधान मंत्री, आंतरिक मंत्री और रक्षा मंत्री शेख फहद अल–यूसुफ अल–सबा ने कहा कि अधिकारियों ने

48 शवों की पहचान की है – 45 भारतीय, तीन फिलिपिनो। प्रथम उप प्रधान मंत्री ने कहा, एक शेष शव की पहचान निर्धारित करने के प्रयास अभी भी जारी हैं। कुवैती अधिकारी दक्षिणी कुवैत के मंगफ़ क्षेत्र में विनाशकारी आग की घटना में मारे गए लोगों के शवों का डीएनए परीक्षण कर रहे हैं और भारतीय वायु सेना का एक विमान घटना में मारे गए भारतीयों के अवशेषों को वापस लाने के लिए तैयार है। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह, जो आग में घायल भारतीयों की सहायता की निगरानी करने और मारे गए लोगों के शवों की शीघ्र स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के लिए कुवैत पहुंचे, ने कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल–याह्या से मुलाकात की, जिन्होंने पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया और वादा किया। त्रासदी की तुरंत जांच करें। सिंह ने भीषण आग में घायल हुए कुछ भारतीयों से भी मुलाकात की और उन्हें भारत सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रथम उप प्रधान मंत्री शेख फहद से मुलाकात की, जिन्होंने अमीर की ओर से संवेदना व्यक्त की और सभी आवश्यक सहायता और समर्थन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सऊदी अरब ने अमेरिका के साथ 80 साल पुराना पेट्रोडॉलर समझौता किया खत्म, जानें क्या है वजह

सऊदी अरब ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अपने 80 साल के पेट्रोडॉलर सौदे को नवीनीकृत नहीं करने का फैसला किया है। पेट्रोडॉलर सौदा 9 जून को समाप्त हो गया है। मूल रूप से 8 जून 1974 को हस्ताक्षरित यह समझौता अमेरिका के वैश्विक आर्थिक प्रभाव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। इस समझौते ने आर्थिक सहयोग और सऊदी अरब की सैन्य जरूरतों के लिए संयुक्त आयोग की स्थापना की। उस समय, अमेरिकी अधिकारियों को उम्मीद थी कि यह सऊदी अरब को अधिक तेल उत्पादन करने और अरब देशों के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इस अनुबंध को आगे न बढ़ाने का विकल्प चुनकर, सऊदी अरब अब केवल अमेरिकी डॉलर के बजाय विभिन्न मुद्राओं, जैसे चीनी आरएमबी, यूरो, येन और युआन का उपयोग करके तेल और अन्य सामान बेच सकता है। लेनदेन के लिए बिटकॉइन जैसी डिजिटल मुद्राओं की खोज की भी बात चल रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।